सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-184
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 09 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

सहनशील होना अच्छी बात है.. पर अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है

मां कालरात्रि

पीएम मोदी से मिलने पहुंचे सीएम सैनी, आ गई शपथ ग्रहण की तारीख, इस दिन होगा सरकार का गठन

हरियाणा विधानसभा चुनाव का परिणाम घोषित हो चुका है। बीजेपी ने बहुमत हासिल कर प्रदेश में फिर से सरकार बनाने के दावे को पेश कर चुकी है, अब सबकी नजर सरकार के गठन पर है, जिसकी कवायद शुरू हो चुकी है। चुनाव के परिणाम आने के अगले ही दिन सीएम नायब सिंह सैनी ने दिल्ली पहुंचकर पीएम मोदी से मुलाकात की है। हरियाणा के सीएम कौन होंगे इस पर भी कई अटकलें लगाई जा रही है, हालांकि सीएम सैनी इस रेस में सभी से आगे दिख रहे हैं। हरियाणा चुनाव से पहले ही पीएम मोदी ने खुले मंच से ऐलान कर दिया था कि हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ही होंगे। हालांकि बीजेपी के दिग्गज नेता अनिल विज भी सीएम बनने को लेकर दावा कर चुके हैं। आधिकारिक तौर पर तो नई सरकार की गठन की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन मीडियो रिपोर्ट्स में खबरें है कि विजया दसवीं के दिन यानी 12 अक्टूबर को बीजेपी हरियाणा में नई सरकार का गठन कर सकती है। हरियाणा में भाजपा की जीत के साथ प्रदेश के लोगों को अगली सरकार के गठन का बेसब्री से इंतजार है। बताया जा रहा है कि सरकार का गठन करने के लिए भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व हरियाणा में विधायकों के साथ बैठक करेगा, इसके बाद मुख्यमंत्री सहित अन्य कैबिनेट मंत्रियों की भी चर्चा होगी कि किसे क्या पद सौंपा जाए।

एक सीएम और 2 डिप्टी सीएम के साथ बना सकती है सरकार माना जा रहा है कि हरियाणा में बीजेपी एक सीएम और 2 डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर सरकार बना सकती है। इससे जाति समीकरण का ख्याल रखना आसान हो जाता है। बीजेपी को अहरीवाल से बहुत वोट मिले हैं, ऐसे में उम्मीद है कि बीजेपी यादव बहुल अहीरवाल क्षेत्र से एक उपमुख्यमंत्री चुन सकती है। इसके अलावा एक डिप्टी सीएम दलित समुदाय से बनाया जा सकता है, बीजेपी को इस बार दलितों से भी खूब वोट मिले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे सीएम सैनी पीएम मोदी ने हरियाणा में भाजपा की जीत के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने वाली है। बीजेपी की जीत के बाद पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है, जो केवल तभी जीतती है, जब उसके गठबंधन सहयोगी द्वारा शक्ति मिलती है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस महाराष्ट्र और झारखंड में गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ रही है।

'एग्जिट पोल' की खुली 'पोल'- हरियाणा के नतीजों ने सियासी जानकारों से लेकर एग्जिट पोल तक को गलत साबित किया

बीजेपी को मिला बहुमत, जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु नहीं...कांग्रेस-एनसी की बनेगी सरकार

नई दिल्ली। हरियाणा के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी पार्टी ने लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की हो। हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपनी जीत के दावे कर रही थी। राज्य की 90 सीटों के लिए 5 अक्टूबर को वोट डाले गए थे। इन चुनावों में कांग्रेस के मुकाबले बीजेपी को कमजोर बताया जा रहा था।

जानकार भी हरियाणा में बीते 10 साल में बीजेपी की सरकार को लेकर सत्ता विरोधी लहर की बात कर रहे थे और चुनावों में कांग्रेस की जीत का दावा कर रहे थे। इसके अलावा 5 अक्टूबर को हुई वोटिंग के बाद देश के कई मीडिया संस्थानों ने 'एग्जिट पोल' के आधार पर कांग्रेस की जीत के दावे किए थे। एग्जिट पोल में कांग्रेस को न केवल जीतते हुए दिखाया गया था बल्कि 90 सीटों की हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस को करीब 60 सीटें मिलने का दावा किया गया था। हरियाणा में किसानों का मुद्दा हो या अग्निवीर योजना, ऐसे कई मुद्दे थे, जिनकी वजह से बीजेपी सरकार के प्रति लोगों की नाराजगी बताई जा रही थी। लेकिन विधानसभा चुनावों के नतीजों ने सियासी जानकारों से लेकर एग्जिट पोल तक को गलत साबित किया है। हरियाणा में अब तक के चुनाव परिणामों के मुताबिक बीजेपी ने 49 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं कांग्रेस 26, आईएनएलडी 2 और अन्य 3 सीटों पर जीते हैं। बात करें जम्मू-कश्मीर की तो यहां भी एग्जिट पोल फेल हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में एग्जिट पोल के अनुमानों में त्रिशंकु विधानसभा की संभावना जताई गई थी। हालांकि नतीजे आने के बाद कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गए हैं। यहां 90 में से 87 सीटों के नतीजे आ चुके हैं, जिनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस अकेले दम पर 42 सीटें जीतने में सफल रही है। गठबंधन में शामिल कांग्रेस भी 6 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही है। इस प्रकार इंडिया गठबंधन (48) जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बहुमत के नंबर (46) के पार पहुंच गया है। भाजपा जम्मू में भी अपनी उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं जीत पाई, वह अभी तक केवल 29 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही है।

हरियाणा सरकार के 8 मंत्री हारे, दो ही जीते- हरियाणा में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत तो मिल गया, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सैनी की सरकार में 8 मंत्री और स्पीकर विधानसभा चुनाव हार गए। सिर्फ 2 ही मंत्री चुनाव जीत पाए। जीतने वाले मंत्रियों में पानीपत ग्रामीण सीट से राज्यमंत्री महिपाल ढांडा और बल्लभगढ़ सीट से कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा शामिल हैं। पंचकूला में स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के बड़े बेटे कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रमोहन बिश्नोई ने हराया। नूंह में राज्यमंत्री संजय सिंह हार गए। यहां कांग्रेस उम्मीदवार आफताब अहमद ने जीत दर्ज की। जगाधरी में कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर हार गए। यहां कांग्रेस के चौधरी अकरम खान जीते। हिसार में कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता तीसरे नंबर पर रहे। यहां निर्दलीय चुनाव लड़ीं देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने जीत दर्ज की। रानियां में भाजपा से बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे मंत्री रणजीत चौटाला भी चुनाव हार गए। यहां इनेलो-बसपा के उम्मीदवार और अभय चौटाला के बेटे अर्जुन चौटाला जीते।

घाटी में महबूबा को सिर्फ तीन सीटें - जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। राज्य की 49 सीटें गठबंधन के खाते में गई है। हालांकि, सत्ता की इस दौड़ में पीछे रहने के बाद भी भाजपा ने राज्य में 2014 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। उसने 29 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि 2014 में उसके पास 25 सीटें ही थी। सबसे बड़ा झटका महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को लगा है, जो सिर्फ तीन सीटें ही जीती है। 2014 में उसे 28 सीटों पर जीत मिली थी।

क्या जम्मू-कश्मीर में पलट सकता है खेल- जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की है। इनती सीटें मिल गई हैं कि वहां आसानी से 'इंडिया' सरकार बन सकती है, लेकिन इस बीच सोशल मीडिया पर तमाम तरह के दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अब्दुल्ला परिवार के लिए बीजेपी अछूत कभी नहीं रही। फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। दो दिन पहले ही उन्होंने मोदी सरकार की तारीफ भी की है। ऐसे में हो सकता है कि जम्मू-कश्मीर में खेल पलट जाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस एक ऐसी पार्टी रही है, जिसका कांग्रेस और बीजेपी दोनों से रिश्ता रहा है। कांग्रेस के साथ उनका खट्टा-मीठा नाता रहा है। कांग्रेस के समर्थन से फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में सरकार भी चलाई, लेकिन बाद में उन्होंने पाला बदल लिया। केंद्र में जब अटल बिहारी वाजपेयी की लीडरशपि में सरकार बनी तो 1999 में नेशनल कॉन्फ्रेंस बीजेपी के साथ आ गई। अटलजी ने उमर अब्दुल्ला को केंद्र सरकार में मंत्री भी बनाया। फारूक अब्दुल्ला को आज भी वाजपेयी याद आते रहते हैं।

दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति साफ- दोनों राज्यों के मंगलवार को आए नतीजे भले ही कई दलों के लिए चौंकाने वाले रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति बिल्कुल साफ है। हरियाणा में भाजपा को मिली इस ऐतिहासिक जीत के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जहां फिर से मुख्यमंत्री बनना तय है, वहीं जम्मू- कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री बनना तय है। यह बात अलग है कि लोकसभा चुनाव के बाद उत्साहित कांग्रेस के लिए दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम निराशाजनक रहे है।

दोनों राज्यों में किसका कितना वोट प्रतिशत

हरियाणाः भाजपा को हरियाणा में 39.90 प्रतिशत और कांग्रेस को 39.10 प्रतिशत वोट मिले है। वोटों के लिहाज से दोनों के बीच यह हिस्सेदारी भले मामूली रही, लेकिन सीटों में दोनों के बीच बड़ा अंतर था। भाजपा ने जहां 49 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस के खाते में 37 सीटें आई।

जम्मू-कश्मीरः घाटी में वोट प्रतिशत के लिहाज से भाजपा जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है। उसे सबसे अधिक 25.60 प्रतिशत वोट मिले है, जबकि सीटों के लिहाज से नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे अधिक 42 सीटें मिली है। हालांकि, उसका वोट प्रतिशत भाजपा के काफी पीछे 23.47 प्रतिशत ही है। कांग्रेस को राज्य में करीब 12 प्रतिशत व पीडीपी को करीब नौ प्रतिशत ही वोट मिले है। यह बात अलग है कि राज्य में भाजपा 29 सीटों पर जीत दर्ज कर पाई।

वेट मशीन से हारीं... पर वोटिंग मशीन ने जिताया रेसलर व कांग्रेस नेता विनेश फोगाट ने हरियाणा की जुलाना सीट से 6015 वोट से अधिक वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने बीजेपी के योगेश बैरागी को हराया।

90 पर लड़ी 'आप' को हरियाणा में 0 सीट मिली हरियाणा में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा चुनाव में पार्टी खाता भी नहीं खोल सकी। जबकी पार्टी ने पूरे 90 प्रत्याशी खड़े किए थे।

'महबूबा' से पूरी घाटी ने बना ली दूरी... कश्मीर में सबसे बड़ा झटका महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को लगा है, जो सिर्फ तीन सीटें ही जीती है। 2014 में उसे 28 सीटें मिली थी।

सावित्री जिंदल को किसी पार्टी की जरूरत नहीं देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने हरियाणा की हिसार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। उन्हें किसी भी पार्टी से टिकट नहीं मिला था।

एआई के गॉडफादर हॉपफील्ड और हिंटन को फिजिक्स का नोबेल

स्टॉकहोम। इस साल यानी 2024 के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार के लिए अमेरिका के वैज्ञानिक जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन को चुना गया है। इन वैज्ञानिकों को एआई का गॉडफादर कहा जाता है। इन्हें मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह खोज आर्टिफिशियल न्यूरॉन्स पर आधारित है। इससे मशीनों को इंसानी दिमाग की तरह सोचना और समझना सिखाया जाता है। जैफ्री को जिस मशीन लर्निंग के लिए नोबेल मिला है, उन्होंने उसी के विकसित रूप अक को मानवता के लिए खतरा बताया था। उन्होंने 2023 में एआई के विरोध में गूगल से इस्तीफा दे दिया था। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस ने मंगलवार को इस पुरस्कार का ऐलान किया है। नोबेल समिति ने अपने बयान में कहा है कि भौतिकी के लिए इस साल का नोबेल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिकों ने मशीन लर्निंग की बुनियाद समझे जाने वाले तरीके की खोज के लिए भौतिकी के उपकरणों का इस्तेमाल किया है। होपफील्ड ने प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में अपना अनुसंधान किया और हिंटन ने यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो में शोध कार्य किया है। होपफील्ड प्रिंसटन विश्वविद्यालय में आण्विक जीवविज्ञान के पूर्व प्रोफेसर एमेरिटस हॉवर्ड से जुड़े हुए हैं और हिंटन टोरंटो विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान विभाग में एक एमेरिटस प्रोफेसर हैं।

मप्र में अब सब रजिस्ट्रार के पास गए बिना होगी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अक्टूबर 2024 को पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के सम्पदा 2.0 सॉफ्टवेयर का शुभारंभ करेंगे। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में दोपहर एक बजे शुभारंभ होगा। वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवडा ने बताया कि संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में राज्य शासन का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में रजिस्ट्री के नए नियम लागू किए गए है। इस उन्नत सॉफ्टवेयर का पायलेट प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन गुना, हरदा, डिण्डौरी और रतलाम जिलों में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। आगामी गुरुवार को इसे प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू किया जाएगा। दरअसल मध्यप्रदेश में रजिस्टर्ड की जाने वाली प्रॉपर्टी की जीआईएस मैपिंग, बॉयोमेट्रिक सर्टिफिकेशन के साथ ई-साइन और डिजिटल सिग्नेचर व्यवस्था सभी जिलों में शुरू होगी। अभी तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चार जिलों में इस पर काम हो रहा था। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद अब रजिस्ट्री के लिए गवाह की जरूरत नहीं होगी। इसके साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात करके सब रजिस्ट्रार रजिस्ट्री कर सकेंगे। इसको लेकर विशेष मोबाइल ऐप पहले ही लॉन्च किया जा चुका है। सम्पदा 2.0 से ई-केवाइसी से पहचान होगी। इसकी विशेषताओं में संपत्ति की जीआईएस मैपिंग, बायोमैट्रिक पहचान और दस्तावेजों का स्वतः प्ररूपण शामिल है। इस प्रणाली में दस्तावेजों का निष्पादन ई-साइन और डिजिटल सिग्नेचर से किया जाएगा, जिससे गवाह लाने की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी। कुछ दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए अब उप पंजीयक कार्यालय में व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होगी। पंजीयन अधिकारी से संवाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा, और कई मामलों में किसी भी प्रकार के इंटरैक्शन की आवश्यकता नहीं होगी। व्यक्ति की पहचान के लिए वीडियो केवाईसी का प्रावधान भी रखा गया है। पंजीयन के लिये ई-साइन एंव डिजिटल हस्ताक्षर से दस्तावेज का निष्पादन होगा। दस्तावेजों की ई-कॉपी डिजी लॉकर, व्हाट्सएप, और ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध होगी। साथ ही ई-स्टाम्प सृजित करने की सुविधा भी होगी। संपत्ति की सर्च प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया गया है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :

9755996590

सिंगल कॉलम

मंदिर के बाहर युवक ने की पेशाब, हिन्दू संगठनों ने किया प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर में फ्रूट मार्केट क्षेत्र के हनुमान मंदिर के बाहर एक युवक ने पेशाब कर दी। इस घटना से क्षेत्र के व्यापारी नाराज हो गए और विरोध स्वरुप उन्होंने दुकानें बंद कर दी। घटना की जानकारी हिन्दू संगठनों को लगी तो वे भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन किया। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है, लेकिन युवक को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर हिन्दू संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी पकड़े नहीं गए तो चक्काजाम किया जाएगा। घटना को लेकर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। आरोपी युवक क्षेत्र के ही एक व्यापारी का बेटा है। उसके साथ दो युवक और थे। तीनों चंदन नगर क्षेत्र में रहते है। वे रात को फ्रूट मार्केट क्षेत्र में घूम रहे थे। पुलिस ने इस मामले में धारा-299 के तहत केस दर्ज किया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में भगवा झंडे थे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर को अपवित्र करने वाले अल्पसंख्य युवक है। उन्होंने धार्मिक भावना भड़काने की कोशिश की है। उन पर रासुका के तहत एक्शन लिया जाना चाहिए। इस घटना से क्षेत्र के दुकानदार खासे नाराज है। उनका कहना है कि कृष्णपुरा छत्री एक पर्यटन स्थल है। यहां सैकड़ों पर्यटक दिनभर आते है, लेकिन यहां दिनभर नशेड़ी और असामाजिक तत्वों और भिखारियों का जमावड़ा रहता है।

गुंडों ने मचाया आतंक, बस्ती में गाड़ियां फोड़ी,रहवासी भड़के

इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाना क्षेत्र की बस्ती सोमनाथ की चाल में दिनदहाड़े गुंडों ने आतंक मचाया। चार-पांच युवक हाथों में हथियार लेकर गली में निकले। उन्होंने रहवासियों के गेट पर रॉड मारी वाहनों में तोड़फोड़ की। काफी देर तक वे गाली गलौज करते रहे। यह बस्ती थाने से मात्र 300 मीटर पर है, लेकिन पुलिस जवान इन गुंडों को पकड़ने नहीं आए। घटना मंगलवार शाम को हुई। दोपहिया वाहन पर सवार होकर आए गुंडों के हाथ में लोहे की रॉड व धारधार हथियार थे। दो युवकों के हाथ में बेसबॉल के बल्ले थे। वे किसी को मारने आए थे, लेकिन पूरी बस्ती में दहशत का माहौल बनाने लगे। वाहनों से उतरते ही उन्होंने दरवाजे, खिड़की पर वार करना शुरू कर दिए। जो वाहन घर के बाहर खड़े थे। उनमें भी तोड़फोड़ कर दी। पहचान छुपाने के लिए दो युवकों ने मुंह पर कपड़े बांध रखे थे। वे जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। उनकी हरकतें देख रहवासी घरों से बाहर नहीं निकल पाए। रहवासियों ने थाने पर सूचना दी, लेकिन पुलिस काफी देर से आई, तब तक गुंडे तोड़फोड़ कर जा चुके थे।

जिला कोर्ट व हाईकोर्ट में कल से शनिवार तक रहेगा दशहरा अवकाश

इंदौर। जिला न्यायपालिका (जिला व सत्र न्यायालय और उसके अधीनस्थ न्यायालय) में बुधवार से शनिवार तक दशहरा अवकाश रहेगा। इन्दौर अभिभाषक संघ इन्दौर के पूर्व-अध्यक्ष और अभिभाषक गोपाल कचोलिया ने बताया कि आज जिला कोर्ट में कामकाज होगा। बुधवार 9 अक्टूबर से 12 अक्टूबर शनिवार तक दशहरा के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश की जिला न्यायपालिका में अवकाश रहेगा। 13 अक्टूबर को रविवार के कारण जिला न्यायपालिका में अवकाश रहेगा। वहीं 7 से 13 अक्टूबर तक मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय और उसकी खण्ड-पीठों में अवकाश रहेगा। जिसमें मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में दशहरा के उपलक्ष्य में 7 से 11 अक्टूबर तक अवकाश रहेगा। 12 अक्टूबर को द्वितीय शनिवार के कारण और 13 अक्टूबर को रविवार के कारण मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में अवकाश रहेगा। 24 घंटे के अंदर जिस आरोपी को कोर्ट में पेश करना होता है, उनकी सुनवाई जिला कोर्ट में छुट्?टी के दिनों में रोजाना 2 घंटे होगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस 27 अक्टूबर से इंदौर-दिल्ली के लिए शुरू करेगी नई उड़ान

इंदौर। इंदौर से दिल्ली के बीच एयर इंडिया एक्सप्रेस नई उड़ान शुरू करने जा रही है। फ्लाइट का संचालन 27 अक्टूबर से शुरू होगा। यह नॉनस्टॉप उड़ान होगी। कंपनी ने फ्लाइट की बुकिंग शुरू करने के साथ शेड्यूल भी अपनी वेबसाइट पर जारी किया है। फिलहाल एयर इंडिया एक्सप्रेस इंदौर से शारजाह और बैंगलरू के लिए फ्लाइट का संचालन कर रही थी। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, पहली उड़ान सुबह इंदौर से संचालित होगी और दोपहर में दिल्ली से वापस आएगी। दिल्ली जाने के लिए यात्रियों को सबसे कम 3144 रुपए किराया देना होगा। विमान कंपनी ने चार कैटेगरी में टिकट की बुकिंग शुरू कर दी है। पहली कैटेगरी एक्सप्रेस लाइट है जिसका किराया 3144 रूपए, दूसरी कैटेगरी एक्सप्रेस वैल्यू है जिसका किराया 3354 रूपए, तीसरी कैटेगरी एक्सप्रेस फ्लेक्स है जिसका किराया 3984 रूपए और चौथी कैटेगरी एक्सप्रेस बिजनेस है जिसका किराया 10425 रूपए है।

रूसी एनआरआई ने किया निवेश, इंदौर के व्यापारी ने उसे बंधक बनाया!

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में रहने वाले एक रूसी एनआरआई, गौरव अहलावत ने कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जेसवानी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जेसवानी ने उनके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है और उन्हें तीन दिनों तक बंधक बनाकर रखा। अहलावत ने बताया कि इंदौर के कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जेसवानी ने 10 सितंबर को उनकी कंपनी के 99त्न शेयर्स को नकली दस्तावेजों के जरिए आरओसी में ट्रांसफर कर अपने नाम करवा लिया। इसके बाद उनका शेयर घटाकर 23त्न कर दिया गया। इस धोखाधड़ी के बाद कंपनी पर अहलावत के अधिकार सीमित हो गए। अहलावत ने आगे बताया कि 11 सितंबर को जेसवानी ने अपने गार्ड बदल दिए और उन्हें कंपनी में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद, अहलावत को तीन दिनों तक घर में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उनके लैपटॉप, मोबाइल और सीसीटीवी का डीवीआर भी छीन लिया गया। रूसी एनआरआई ने कन्फेक्शनरी कारोबारी के खिलाफ मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में शिकायत की है।

तीन दिन तक घर में बंधक बनाकर रखा

अहलावत ने कहा कि 11 सितंबर को जेसवानी ने अपने गार्ड बदल दिए और उन्हें कंपनी में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद, अहलावत को तीन दिनों तक घर में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उनके लैपटॉप, मोबाइल और सीसीटीवी का डीवीआर भी छीन लिया गया। 13 सितंबर को उन्हें वहां से रिहा किया गया और वे एक होटल में जाकर रुके, जिसके बाद उन्होंने वकीलों से मिलकर शिकायत तैयार करवाई। 15 सितंबर को अहलावत ने लसूडिया थाने में शिकायत दर्ज की, लेकिन उनका कहना है कि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने पुलिस को पड़ोसियों के सीसीटीवी फुटेज भी सौंपे हैं, जो उनके बंधक बनाए जाने के सबूत हैं। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

जेसवानी ने दी जान से मारने की धमकी

अहलावत ने कहा कि 13 सितंबर को उन्हें वहां से रिहा किया गया और वे एक होटल में जाकर रुके, जिसके बाद उन्होंने वकीलों से मिलकर शिकायत तैयार करवाई। 15 सितंबर को अहलावत ने लसूड़िया थाने में शिकायत दर्ज की, लेकिन उनका कहना है कि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। अहलावत ने आरोप लगाया कि जेसवानी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। जेसवानी ने धमकी देते हुए कहा कि तू दिल्ली तक नहीं पहुंच पाएंगा। तेरे 200 टुकड़े कर दिए जाएंगे। इसके बाद अहलावत ने रूसी एम्बेसी से मदद मांगी है। एम्बेसी ने कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर को मामले में कार्रवाई करने के लिए मेल भेजा है।

पीएम मोदी से प्रभावित होकर निवेश किया

अहलावत ने बताया कि उन्होंने 2016 में हरियाणा में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इन्वेस्टर समिट के दौरान इंदौर में निवेश किया था। उन्होंने कहा कि इस निवेश के माध्यम से उन्होंने कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कदम रखा और संजय जेसवानी के साथ मिलकर एक फैक्ट्री शुरू की, लेकिन कुछ समय बाद जेसवानी ने धोखाधड़ी की। इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। अहलावत ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे भोपाल से दिल्ली तक पैदल यात्रा करेंगे।

पूर्व लोकसभा स्पीकर हुईं नराज तो मंत्री और सांसद भी हो गए चुप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने मंगलवार को इंदौर में नेताओं, अधिकारियों की बैठक ली और उनसे अपना दर्द साझा किया। ताई ने बैठक में कई बार कहा कि मैं बहुत दुःखी और नाराज हूं। उनकी बातें सुनकर मंत्री और सांसद चुपचाप बैठे रहे। ताई ने कभी डपटा तो कभी समझाया फिर कहा कि तुम लोगों को कोई परेशानी हो तो मेरे पास आओ मैं सरकार तक तुम्हारी बात पहुंचाऊंगी। दरअसल ताई ने आज जनपद पंचायत विभाग की बैठक में इंदौर के आसपास के गांवों में पसरी गंदगी पर नेताओं और अधिकारियों की क्लास ले ली। पूरी बैठक में ताई अधिकारियों और नेताओं पर साफ सफाई के विषय को लेकर नाराज होती रही। बैठक में ताई ने कई बार कहा कि मैं बहुत दुःखी और नाराज हूं। अब तो गांवों में जाने में भी डर लगता है।

शहर जितना साफ है गांव उतने ही गंदे हैं। लोग कहते हैं आपकी सरकार ने हमें क्या दिया। हमारे गांवों की हालत क्यों नहीं सुधर रही है। बैठक में सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट, अपर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष रीना मालवीय समेत कई नेता और अधिकारी शामिल हुए।

अधिकारियों का ध्यान सिर्फ शहर पर

महाजन ने कहा कि आप कहीं भी चले जाओ देवगुराड़िया से आगे या फिर जाम गेट से आगे सभी जगह गंदगी पसरी हुई है। सांवेर, महू हो या फिर देपालपुर, राऊ। सभी जगह ही हाल है। अधिकारियों का ध्यान भी सिर्फ शहर में है, गांवों के लिए कोई योजना नहीं है।

दूसरे राज्यों के लोग इंदौर आते हैं तो उन्हें गंदगी दिखती है

महाजन ने कहा कि दूसरे राज्यों के लोग जब इंदौर की सीमाओं से इंदौर शहर में आते हैं तो उन्हें आसपास के गांवों में हर जगह गंदगी दिखती है। वह इंदौर के बारे में क्या सोचते होंगे। हमारे शहर में आने वाले गांवों का भी हमें ही ध्यान रखना होगा। इससे इंदौर की छवि खराब होती है।

गांवों को बेहतर बनाने के लिए ये सुझाव भी दिए

-एनजीओ से बात करिए और गांव गांव में जागरूकता अभियान चलाइए

-जो भी सरपंच सक्रिय हैं उन्हें सबसे पहले जोड़िए

-घर-घर से शुल्क लें और इसका महत्व समझाएं

- कचरा गाड़ियों के लिए उद्योगों से बात करें, सीएसआर का फंड लें

- पहले योजना बनाएं और फिर अधिकारियों से संसाधन मांगें

- यदि कोई परेशानी आए तो फिर मुझे बताएं, मैं सरकार तक बात पहुंचाऊंगी

मंत्री, सांसद और अधिकारी बोले नाराजगी वाजिब

बैठक के बाद मंत्री, सांसद और अधिकारी बोले ताई की नाराजगी वाजिब है। हम योजना बनाकर जल्द से जल्द इंदौर के सभी गावों में स्वच्छता के लिए काम शुरू करेंगे। ताई ने हमें जो सुझाव दिए हैं उन पर इसी महीने से अमल शुरू कर दिया जाएगा। ताई ने योजना बनाकर अगले महीने फिर से मीटिंग करने के लिए कहा है।

इंदौर-मनमाड़ प्रोजेक्ट से मांडू, महेश्वर, उज्जैन,ओंकारेश्वर को होगा फायदा

इंदौर। इंदौर के आसपास हो रहे रेल और सड़क के निमार्णों का फायदा ओंकारेश्वर, महेश्वर, मांडू और उज्जैन जैसे पर्यटक स्थलों को सबसे ज्यादा मिलेगा। निमार्णों के पूर्ण होने के बाद यह स्थान पर्यटन के क्षेत्र में और चमकेंगे। इंदौर-मनमाड़ रेलवे लाइन का सबसे ज्यादा फायदा मांडू और महेश्वर को मिलेगा, क्योकि प्रोजेक्ट में एक स्टेशन दोनो पर्यटन स्थलों के नजदीक बनेगा। अभी अपेक्षाकृत इन दोनो स्थानों पर पर्यटक कम जाते है। इंदौर शहर से 80 किलोमीटर के दायरे में दो ज्योर्तिलिंग के अलावा मांडू और महेश्वर है। इसे सरकार टूरिस्ट सर्किट के रुप में विकसित करना चाहती है। महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन में 30 प्रतिशत टूरिज्म बढ़ा है और मंदिर में भक्तों की संख्या तीन गुना तक बढ़ गई है, जो मध्य प्रदेश घूमने आते है, वे ज्योर्तिलिंग के अलावा दूसरे स्थानों पर भी जाते है।

खरगोन भी जोड़ना चाहिए

रेल विभाग ने इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट पर 18 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। अगले पांच वर्षों में इस प्रोजेक्ट का निर्माण पूरा हो जाएगा। इस परियोजना से निमाड़ क्षेत्र को फायदा मिलेगा। यहां के मशहूर पर्यटन स्थल मांडू और महेश्वर में भी पर्यटन बढ़ेगा। अभी यहां बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट नहीं है। रेलवे के जानकार नागेश नामजोशी कहते है कि इस प्रोजेक्ट से खरगोन को भी जोड़ना चाहिए। इससे खंडवा के रेल नेटवर्क की कनेक्टिविटी को भविष्य में जोड़ना आसान होगा। खरगोन के आसपास के पर्यटन स्थल भी इससे निखर जाएंगे।

उज्जैन से ओंकारेश्वर की दूरी होगी कम

आने वाले वर्षों में इंदौर से ओंकारेश्वर की दूरी भी कम हो जाएगी। अभी दोनो नगरों के बीच जाने में तीन घंटे से ज्यादा का समय लगता है औ उज्जैन से ओंकारेश्वर की दूसरी 135 किलोमीटर से ज्यादा है। भविष्य में ढाई घंटे में सफर पूरा हो सकेगा। लोक निर्माण विभाग ने इंदौर-उज्जैन रोड को छह लेन करने के लिए टेंडर जारी कर दिए है। सिंहस्थ से पहले सड़क बन जाएगी।

प्रेग्नेंट महिला वकील और पति को पीटा, दो गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के पलासिया इलाके में एक गर्भवती महिला वकील और उनके पति के साथ दो युवकों और उनके साथियों ने सोमवार रात मारपीट की। घटना का सीसीटीवी अब सामने आया है। महिला वकील और उसके पति को रात में एमवाय लाया गया। रात में ही जानकारी मिलने के बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी और पुलिस अधिकारी भी एमवाय अस्पताल पहुंचे। दोनों आरोपी युवकों को रात में ही पुलिस ने गिरफ्तार कर मारपीट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पलासिया पुलिस ने देर रात महिला वकील की शिकायत पर इलेक्ट्रिक स्कूटर पर सवार अहमद अली और सैय्यद मार्जिन अली के खिलाफ स्कूटर को टक्कर मारने, मारपीट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि वह पेशे से वकील है और चार माह की गर्भवती है।

सोमवार की देर रात अपनी स्कूटर से खजराना चौराहे की तरफ से आनंद बाजार की तरफ आ रही थी। स्कूटर उनके पति चला रहे थे। जब दोनों पूजा पान भंडार के पास पहुंचे तो उनकी स्कूटर को आरोपियों के इलेक्ट्रिक स्कूटर से टक्कर लग गई। टक्कर के कारण दोनों नीचे गिर गए। दोनों युवकों ने पति से कहा कि गाड़ी देखकर चलाया कर। दोनों अपशब्द भी कहने लगे। बहस हुई तो साथियों को बुला लिया।

आरोपी युवक और उनके साथी पति-पत्नी के साथ हाथापाई और मारपीट करते हुए पति को पास की बिल्डिंग के नीचे ले गए। आरोपियों के दो साथियों ने बेल्ट निकाला और पति को मारने लगे। पत्नी बचाव करने गई तो उसके साथ भी मारपीट की। महिला ने बताया कि वह गर्भवती है तो भी उसे गला पकड़कर धक्का दिया। इस दौरान परिचित अंकित वहां से निकला। वह बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी वहां से भागने लगे। तब दोनों युवकों को भीड़ ने पकड़ा लिया। रात में महिला वकील के साथ हुई मारपीट की जानकारी एसीपी तुषार सिंह को लगी तो वह थाने पहुंच गए। इधर रात में हिंदू संगठन के नेता भी एमवाय पहुंचे।

यहां महिला वकील और उनके पति का मेडिकल कराया गा। उन्होंने आरोपियों पर कठोर कारवाई की बात कही। इधर रात पुलिस ने हत्या के प्रयास की कार्रवाई की है। उक्त मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तारी किया गया है। वही अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एमएसपी से भी कम दाम में फसलें बेचने को मजबूर किसान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। केंद्र और राज्य की सरकार किसानों की आय बढ़ाने और जीवन बेहतर करने के लाख दावे कर ले लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

एक ओर जहां किसान एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) बेहतर करने के लिए आंदोलन कर रहा है वहीं कुछ किसान तो अपनी फसलों को एमएसपी से भी कम मूल्य पर बेचने को मजबूर हैं। दूर दराज में खेती करने वाले छोटे किसान सरकारी मंडियों तक नहीं आ पाते और गांव की मंडियों में जो भी दाम मिल जाता है उस पर अपनी उपज को बेच देते हैं। इंदौर में कपास की खेती करने वाले किसानों का कहना है कि हर फसल में उन्हें बड़ा घाटा होता है। उनके पास मंडी तक उपज

पहुंचाने के लिए गाड़ियां ही नहीं हैं और गाड़ी ले भी लेंगे तो इतना डीजल जल जाएगा कि बचत ही नहीं होगी। पेटलावद में खेती करने वाले हुंकार सिंह ने बताया कि वह छह महीने में 10 क्विंटल कपास पैदा करता है। सात बीघा में उसकी खेती है और इस उपज के उसे 60 हजार रुपए के लगभग मिल जाते हैं। सरकारी की एमएसपी पर यदि वह कपास को बेचे तो उसे इस उपज के एक लाख रुपए से अधिक मिलेंगे।

उसने बताया कि उसे हर उपज पर 30 से 40 हजार रुपए का घाटा होता है। उसके पूरे परिवार को दस हजार रुपए महीने की आमदनी होती है।

गांव-गांव में केंद्र स्थापित करने चाहिए

संयुक्त किसान मोर्चा मप्र के सदस्य राहुल राज ने बताया कि सरकार को कपास और अन्य फसलों को खरीदने के लिए भी गांव-गांव में केंद्र स्थापित करने चाहिए। जिस तरह से गेहूं और सोयाबीन के लिए अधिकतर जगह केंद्र हैं इसी तरह कपास और अन्य फसलों के लिए भी केंद्र होने चाहिए। छोटा किसान ट्रैक्टर, ट्राली नहीं खरीद सकता और यदि ले लेगा तो भी मंडी तक आने वहां पर बिक्री तक रुकने की उसकी क्षमता नहीं है।

मप्र सरकार जल्द किसानों की परेशानी दूर करेगी

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि सरकार मध्यप्रदेश में कपास के क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रही है। इसके मद्देनजर, हम धार जिले में 10,000 करोड़ का कॉटन और टेक्सटाइल हब स्थापित कर रहे हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

स्कूल संचालक पर होगी एफआईआर, नए सत्र से पहले आदेश

यूनिफॉर्म, बुक्स के लिए दबाव डाला तो स्कूल की मान्यता होगी रद्द

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल ड्रेस और पुस्तकों के लिए स्कूल द्वारा निर्धारित एक ही दुकान से खरीदी करने का दबाव बनाया जाता है। इसे लेकर भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने जिले के सभी निजी स्कूलों को निर्देश जारी किया है कि भोपाल के किसी भी स्कूल ने पेरेंट्स पर यूनिफॉर्म या बुक्स के लिए दबाव डाला तो स्कूल की मान्यता रद्द कर दी जाएगी। स्कूल संचालक, प्राचार्य के खिलाफ भी केस दर्ज किया जाएगा। नए शिक्षा सत्र के 6 महीने पहले भोपाल में जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी अगले शिक्षा सत्र के लिए निर्देश जारी कर चुके हैं। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार का कहना है कि सभी प्राइवेट स्कूल (एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई) के प्रिंसिपल को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्हें कहा गया है कि वे पेरेंट्स को किसी एक दुकान से बुक्स, यूनिफॉर्म और दूसरी चीजें खरीदने के लिए मजबूर न करें। शिकायत मिलने पर मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। सीबीएसई और आईसीएसई की मान्यता रद्द करने के लिए प्रस्ताव बनाएंगे।

6 माह पहले आदेश जारी करने का मकसद
यूनिफॉर्म हो या बुक्स या फिर किसी भी प्रकार की स्टेशनरी, अभिभावकों को मनमानी कीमत

चुकानी पड़ रही है। पहली से आठवीं तक की किताबों के सेट 2500 से 6000 रुपए तक मिलते हैं। यदि पेरेंट्स दूसरी दुकानों पर जाते हैं तो वहां नहीं मिल पाती। ऐसा ही यूनिफॉर्म को लेकर भी है। स्कूल का लोगो लगी यूनिफॉर्म निर्धारित दुकानों से ही मिलती है। बेल्ट, टाई भी पेरेंट्स मनमाने दाम पर खरीदने को मजबूर होते हैं। इस बार छह महीने पहले आदेश जारी करने का मकसद यह है कि पेरेंट्स को कोई दिक्कते न हो। साथ ही स्कूल और बुक्स दुकान संचालकों की मनमानी पर भी रोक लग सके।

पहले कार्रवाई कर चुका प्रशासन
प्राइवेट स्कूलों की मोनोपोली में ब्रेक लगाने के लिए इस साल जिला प्रशासन कई स्कूल और बुक्स की दुकानों पर नकेल कस चुका है। छह महीने पहले एमपी नगर समेत कई इलाकों में कार्रवाई की गई थी।

निजी स्कूल संचालकों के लिए यह है गाइडलाइन
-अगले शिक्षण सत्र से पहले किताब के लेखक और प्रकाशक के नाम, मूल्य के साथ क्लावाइस पुस्तक और यूनिफॉर्म विक्रेताओं की लिस्ट स्कूल के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करना होगी।
-किसी भी तरह की शिक्षण सामग्री पर स्कूल का नाम नहीं होना चाहिए।
स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लिखना होगा कि शिक्षण सामग्री कहां मिलेगी।
-किताबों के अलावा यूनिफॉर्म, टाई, जूते, कॉपियां आदि भी उन्हीं की शालाओं से उपलब्ध या विक्रय कराने का प्रयास नहीं किया जाएगा।
-स्कूल की स्टेशनरी या यूनिफॉर्म पर स्कूल का नाम प्रिंट कराकर दुकानों से नहीं बेचा जाएगा।
-एक विशेष दुकान से सामग्री बेचना प्रतिबंधित किया गया है।

हरियाणा में चला सीएम मोहन का मैजिक जहां-जहां किया प्रचार, वहां-वहां जीत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। हरियाणा में बीजेपी ने तीसरी बार सरकार बना ली है। बीजेपी की इस जीत में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भी अहम भूमिका है। उन्होंने हरियाणा की 5 विधानसभा सीटों पर बीजेपी प्रत्याशियों का धुंआधार प्रचार किया था। उन्होंने वहां ताबड़तोड़ रैलियां कर जनता को बीजेपी की योजनाएं बताई थीं। उन्होंने जनता को सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास का मंत्र समझाया था। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने जहां-जहां प्रचार किया, वहां-वहां कमल खिला। हरियाणा में पार्टी की जीत के बाद मध्यप्रदेश में बीजेपी ने जलेबी बांटी, जमकर जश्न मनाया। इस जीत पर सीएम यादव ने जनता और कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

डॉ. मोहन यादव स्टार प्रचारक थे
हरियाणा विधानसभा चुनाव में सीएम डॉ. मोहन यादव स्टार प्रचारक थे। उन्होंने भिवानी, दादरी, तोशाम, झज्जर और बवानी खेड़ा विधानसभाओं में रैलियों को संबोधित किया था। इन सभी सीटों पर बीजेपी चुनाव जीत गई है। भिवानी विधानसभा में घनश्याम सर्राफ, दादरी विधानसभा में सुनील सतपाल, तोशाम विधानसभा में श्रुति चौधरी, बवानी खेड़ा विधानसभा कपूर सिंह और झज्जर विधानसभा में कप्तान बिरधाना ने जीत दर्ज की। इस जीत के बाद पूरे देश में बीजेपी ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।

जाटलैंड-अहीरवाल बेल्ट में खिला कमल
हरियाणा की राजनीति में जातिगत फैक्टर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पश्चिमी हिस्से में विशेष रूप से जाट समुदाय राजनीतिक समीकरणों की उलटफेर करता है। लेकिन, पिछले कुछ समय से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से जाट राजनीति प्रभावित हुई है। खास बात यह है कि ओबीसी फैक्टर और अहीरवाल बेल्ट में मतदातों का झुकाव तेजी से भाजपा के प्रति बढ़ा है। डॉ. मोहन यादव जैसे राजनेताओं ने अहीरवाल बेल्ट में जातियों के बड़े

वोट बैंक को साधा है।

सीएम यादव की लोकप्रियता बढ़ी
सीएम यादव की लोकप्रियता हाल के दिनों में तेजी से बढ़ी है। इस वजह से बीजेपी के उनके चेहरे को यादव समुदाए से प्रभावित क्षेत्रों में भुना रही है। बिहार से लेकर यूपी, जम्मू से लेकर हरियाणा, झारखंड से लेकर महाराष्ट्र तक उनकी प्रचार में उपयोगिता बढ़ रही है। उनका 'एम' फैक्टर ओबीसी समुदाय में प्रभावी साबित हो रहा है

प्रदेश भाजपा कार्यालय में हरियाणा चुनाव की जीत का जश्न
हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत के साथ ही प्रदेश भाजपा कार्यालय में जश्न शुरू हो गया। आतिशबाजी, ढोल पर नाचने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। मंगलवार सुबह शुरुआती रूझान में कांग्रेस आगे दिख रही थी, लेकिन बाद में पिछड़ गई।
शुरुआती रूझान के बाद कांग्रेस नेताओं का जलेबी बनाते वीडियो सामने आया है। इसको लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने तंज कसा है। शर्मा ने कहा कि उनकी जलेबी बन रही थी, लेकिन राहुल गांधी फैक्ट्री में बना रहे थे। हरियाणा की जनता ने कहा कि जलेबी फैक्ट्री में नहीं बनती, लेकिन हम आपकी जलेबी जरूर बना देते हैं। जनता ने राहुल गांधी की ही जलेबी बना दी। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए आज फिर ऐतिहासिक दिन है। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में भी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को जनता ने आशीर्वाद दिया है। हरियाणा की जनता ने आशीर्वाद देकर यह तय कर दिया है कि देश का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। शर्मा ने कहा कि पार्टी के बूथ-बूथ के कार्यकर्ताओं ने सजग प्रहरी की तरह काम किया उसी का परिणाम है कि हम हरियाणा में लगातार तीसरी बार विजय हासिल की और जम्मू कश्मीर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में पार्टी का अच्छा प्रदर्शन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं गृहमंत्री अमित शाह की अथक मेहनत और कार्यकताओं के प्रयास से संभव हो पाया मैं हरियाणा एवं जम्मू कश्मीर की जनता को मैं मध्यप्रदेश की तरफ से शुभकामनाएं देता हूं।

निजी अस्पतालों को आयुष्मान योजना की जानकारी प्रदर्शित करना अनिवार्य

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने दिए निर्देश

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल प्रदेश के ज्यादातर निजी अस्पतालों को आयुष्मान भारत 'निरामयम्' योजना में सूचीबद्ध किया गया है। इन अस्पतालों में मरीज के पास आयुष्मान कार्ड होने पर 5 लाख तक का निश्शुल्क इलाज की सुविधा सरकार द्वारा कराई जा रही है। लेकिन कई अस्पतालों से शिकायत आ रही थी कि मरीजों को गुमराह किया जा रहा है और उनसे पैसे भी लिए जा रहे हैं। अब मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी सूचीबद्ध प्राइवेट अस्पतालों को आयुष्मान भारत 'निरामयम्' योजना के अंतर्गत निश्शुल्क उपचार की जानकारी अस्पताल की मुख्य द्वार पर बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के आदेश जारी किए जाएं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस बात पर जोर दिया है कि प्रदेश के सभी नागरिकों को योजना का पूरा

लाभ मिले, इसके लिए यह आवश्यक है कि सूचीबद्ध चिकित्सालयों में प्रवेश द्वार के समीप बड़े अक्षरों में यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि किन चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के लिए वह चिकित्सालय सूचीबद्ध है। इसके साथ ही, यह भी स्पष्ट किया जाए कि आयुष्मान योजना के तहत हितग्राहियों को निश्शुल्क और कैश लेस उपचार की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल, डॉ. प्रभाकर तिवारी ने निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए भोपाल के समस्त अस्पताल, नर्सिंग होम संचालकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना की जानकारी को नागरिकों के लिए सुलभ और सरल बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि हितग्राही बिना किसी कठिनाई के इस योजना का लाभ उठा सकें।

इधर कुर्रा, उधर किस्त की मांग, 8 माह के लिए अरबों रुपएजाम

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। सोमवार सुबह टलते टलते हज 2025 के लिए हाजियों के नाम तय किए गए थे। शाम ढलते ढलते सेंट्रल हज कमेटी ने चयनित हाजियों से पहली किस्त की मांग कर डाली। जून माह में होने वाले हज के खर्च की राशि अक्तूबर से जमा कर करीब आठ माह होने वाले इस्तेमाल का ब्यौरा हज कमेटी के पास नहीं है। हाजियों से मांगी गई पहली किस्त प्रति व्यक्ति 1 लाख, 30 हजार रुपए है। जो पूरे देश के हाजियों के आंकड़े के लिहाज से अरबों रुपए होगा। जानकारी के मुताबिक हज 2025 के लिए सऊदी अरब सरकार ने भारत को 1 लाख, 75 हजार, 25 सीटों का कोटा आवंटित किया है। इसमें से 70 प्रतिशत सीटें हज कमेटी को मिलेंगी। जबकि 30 फीसदी सीटें निजी टूर ऑपरेटर्स के खाते में जाएंगी। सोमवार को हुए हज कुर्रा के फौरन बाद सेंट्रल हज कमेटी ने चयनित हाजियों से पहली किस्त की मांग कर दी है।

जानकारी के मुताबिक हाजियों को यह राशि 21 अक्टूबर तक जमा करने के लिए कहा गया है। देशभर के हज कोटे के मुताबिक हज कमेटी के जरिए करीब एक लाख, 62 हजार आवेदक हज यात्रा पर जाएंगे। इन्हें इसी माह प्रति व्यक्ति एक लाख, 30 हजार, 300 रुपए जमा करने होंगे। इसके मुताबिक देशभर से जमा होने वाली राशि का आंकड़ा 15 अरब, 40 करोड़, 50 लाख पार होना है। हज खर्च के लिए वसूली जाने वाली यह राशि जून माह में होने वाली हज यात्रा तक सेंट्रल हज कमेटी के खातों में जमा रहने वाली है। इस राशि का हिसाब न सरकार के पास पहुंचने वाला है और न ही हज यात्रियों को इससे कोई फायदा मिलेगा। मप्र से चयन किए गए 7107 हाजियों को भी यह राशि जमा करना है। हाजियों की इस तादाद के मुताबिक यहां से करीब 923910000 रुपए जमा होंगे।

नागपुर-समस्तीपुर-नागपुर के बीच तीन-तीन ट्रिप साप्ताहिक स्पेशन ट्रेन

इटारसी और भोपाल से होकर गुजरेगी गाड़ी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। रेल प्रशासन ने त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 01207/01208 नागपुर-समस्तीपुर -नागपुर के मध्य 3-3 ट्रिप साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी भोपाल मंडल के इटारसी एवं भोपाल स्टेशनों पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01207 नागपुर-समस्तीपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 30 अक्टूबर 2024 से 13 नवंबर 2024 तक प्रत्येक बुधवार को नागपुर स्टेशन से 10.40 बजे प्रस्थान कर, 15.45 बजे इटारसी, 17.40 बजे भोपाल एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए

अगले दिन 21.30 बजे समस्तीपुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01208 समस्तीपुर-नागपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 31 अक्तूबर 2024 से 14 नवंबर 2024 तक प्रत्येक गुरुवार को समस्तीपुर स्टेशन से 23.45 बजे प्रस्थान कर, दूसरे दिन शुक्रवार को 23.50 बजे भोपाल, तीसरे दिन शनिवार को 01.55 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 07.00 बजे नागपुर स्टेशन पहुंचेगी। कोच कंपोजीशन-इस गाड़ी में 2 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 18 कोच रहेंगे। गाड़ी के हाल्ट-रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में नागपुर, बैतूल, इटारसी, भोपाल जंक्शन, लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, कानपूर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, छपरा, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

भोपाल के रावण की देशभर में धूम, यूपी के कई जिलों में भेजे जा रहे पुतले

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। देशभर में इस बार दशहरा का पर्व 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। राजधानी भोपाल में भी दशहरा की तैयारी जोरों पर है। शहर के कारीगर पिछले कई दिनों से रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इन पुतलों की खास बात यह है कि इनकी डिमांड राज्य के बाहर भी रहती है। एमपी के अलावा यूपी में भी यहां से पुतले सप्लाई किए जाते हैं। जैसे ही काम पूरा होगा ये उत्तरप्रदेश के अलग-अलग जिलों के लिए रवाना कर दिए जाएंगे। आज हम शहर के ऐसे कारीगरों से आपको रूबरू करवाएंगे, जिनके द्वारा बने बनाए गए पुतलों की डिमांड भोपाल या मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश के कई जिलों में भी है। कारीगर मितेश साहू ने बताया कि भोपाल के गोविंदपुर स्थित नटराज हॉल में हम 35 फीट से लेकर 50 फीट तक के पुतले बना रहे हैं, जिसमें करीब 4 से 5 महीने का समय लग जाता है। एक 50 फीट का पुतला बनाने में 8 से 10 कारीगरों की जरूरत पड़ती है। इसे बनाने के लिए लकड़ी से लेकर कागज तथा अन्य सामान का उपयोग किया जाता है।

मप्र के की जिलों में है पुतलों की डिमांड
मितेश ने बताया कि हमारे यहां बनाए जाने वाले रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों की डिमांड भोपाल, मध्य प्रदेश सहित उत्तरप्रदेश के कुछ जिलों में भी रहती है। इसमें भोपाल के अलावा आसपास के जिले जैसे नर्मदा पुरम, इटारसी, विदिशा, रायसेन, देवास तो शामिल हैं ही साथ ही उत्तर प्रदेश के ललितपुर और झांसी जैसे जिलों से भी पुतले बनाने के आर्डर आते हैं।

एक लाख से अधिक होती है लागत
रावण, कुंभकरण और मेघनाथ का पुतला अगर 50 फीट के करीब बनवाना होता है तो इसमें लगभग एक लाख तक की लागत लगती है। साथ ही इसे बाजार में दोगुने भाव में बेचा जाता है। इस बार इन कारीगरों को लगभग 45 पुतले बनाने का आर्डर मिला है। काम खत्म होते ही पुतलों का ऑर्डर जहां-जहां से आया है, वहां के लिए इन्हें रवाना कर दिया जाएगा।

सम्पादकीय

हरियाणा में चल गया भाजपा का ओबीसी कार्ड

हरियाणा में कांग्रेस जहां जाट-दलित समीकरण बनाती दिखी तो दूसरी ओर भाजपा ने गैर-जाटों, मुख्य रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को एकजुट करने पर ध्यान केंद्रित किया। हरियाणा में ओबीसी की आबादी करीब 35 फीसदी है। भाजपा ने अपने परंपरागत सवर्ण वोट के साथ गैर जाट वोटों को साधा। साथ ही कई अभियान चलाकार अनुसूचित जाति तक भी पहुंचने की कोशिश की और कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया।

एक्जिट पोल एकबार फिर फेल साबित हुए हैं । हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी भविष्यवाणियों को झुठलाते हुए भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। मंगलवार सुबह शुरुआती रुझानों में भले भाजपा कांग्रेस से बहुत पीछे थी, लेकिन सुबह साढ़े नौ बजे के बाद उसने ऐसा कमबैक किया, जिसने सभी राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। हरियाणा के नतीजों से भाजपा को एक बूस्टर डोज मिली है। एक नए उत्साह का संचार पार्टी में होने वाला है। निश्चित ही इसका प्रभाव आगामी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। खत्री पंजाबी के बजाय ओबीसी पर दांव लगाया था। तब यह माना जा रहा था कि सैनी को बलि का बकरा बना दिया गया है, लेकिन अब रुझानों से साफ हो गया है कि भाजपा का ओबीसी कार्ड सही साबित हुआ। भाजपा को बहुत बड़ा फायदा अहीरवाल क्षेत्र, जिसमें गुड़गांव, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और नारनौल जिले आते हैं, में हो रहा है। भाजपा वर्ष 2014 से अहीरवाल क्षेत्र में मजबूत रही है। इसका एक बड़ा कारण केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी हैं। राव इंद्रजीत सिंह जब तक कांग्रेस में थे, तब तक अहीरवाल क्षेत्र में कांग्रेस मजबूत थी, वो जब से भाजपा में आए हैं, इस क्षेत्र में भाजपा मजबूत हो गई है। कांग्रेस को पिछले चुनाव में जाट क्षेत्र, जिसमें रोहतक, झज्जर और सोनीपत आते हैं, से काफी अच्छा समर्थन मिला था। इन जिलों में जाट मतदाताओं की संख्या 30 प्रतिशत से अधिक है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का यह प्रभाव वाला क्षेत्र है। हुड्डा के कारण कांग्रेस पिछली चुनाव में 31 सीटें जीतने में सफल रही थी, लेकिन केवल जाट वोटों के सहारे कांग्रेस की नैया पार होती नहीं नजर आ रही। यदि हरियाणा में जातीय समीकरणों को देखें 22 प्रतिशत जाट, 20 प्रतिशत दलित, 30 प्रतिशत ओबीसी, 16.5 प्रतिशत जनरल, 8 प्रतिशत पंजाबी और 3.5 प्रतिशत मुस्लिम वोट हैं। जब कांग्रेस के पक्ष में जाट मतदाता लामबंद हुए तो बाकी जातियों ने गुपचुप भाजपा के पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर दिया। कांग्रेस के पास जाट वोटों के अलावा दलित और मुस्लिम वोट भी हैं, लेकिन चुनाव के रुझान बता रहे हैं कि भाजपा ने कांग्रेस के दलित वोट में सेंध लगा दी है। ऐसे में कुमारी शैलजा का महत्व कांग्रेस में बढ़ाने वाला है, क्योंकि कांग्रेस अब केवल भूपेंद्र सिंह हुड्डा के भरोसे हरियाणा को नहीं जीत सकती, यह बात उसे समझ में आ रही होगी। कांग्रेस जहां जाट-दलित समीकरण बनाती दिखी तो दूसरी ओर भाजपा ने गैर-जाटों, मुख्य रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को एकजुट करने पर ध्यान केंद्रित किया। हरियाणा में ओबीसी की आबादी करीब 35 फीसदी है। भाजपा ने अपने परंपरागत सवर्ण वोट के साथ गैर जाट वोटों को साधा। साथ ही कई अभियान चलाकार अनुसूचित जाति तक भी पहुंचने की कोशिश की और कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। इसने भाजपा को सीधा फायदा पहुंचाया और हरियाणा में हैट्रिक के करीब पहुंचा दिया। भाजपा की सोशल वेलफेयर स्कीम्स और महिलाओं को लेकर चलाई जा रही योजनाओं ने काफी काम किया है। महिलाओं का ऐसा विषय है, जिसे किसी भी सर्वे या एक्जिट पोल ने उस तरीके से नहीं उठाया, जैसा उठाया जाना चाहिए था। यह माना जा रहा है कि महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में बिना शोर मचाए वोट किया है, जैसा मध्य प्रदेश में देखने को मिला था। एक और मुद्दा जो राहुल गांधी ने अपनी हर सभा में उठाया, वो अग्निवीर स्कीम का है। हरियाणा में इस मुद्दे को इसलिए भी बड़ा बताया जा रहा था, क्योंकि हरियाणा से सेना में बड़ी संख्या में लोग जाते हैं।

भारत के विरुद्ध गढ़े जा रहे कई झूठे विमर्श

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है।

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के संबंध में प्राय: कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यत: व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के संबंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है। इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है और ये देश भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। भारत की प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में 'शुभ लाभ' की विचारधारा पर कार्य किया जाता है। परंतु, पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुक्सान क्यों नहीं उठाना पड़े, इसे 'शुद्ध लाभ' की संज्ञा दी जाती है। और, इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से 'शून्य लाभ' के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंतत: व्यापार ही समाप्त होने की ओर आगे बढ़ जाता है। पश्चिमी एवं अन्य कई देशों में आज पूंजीवाद की विचारधारा को ही अपना लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप केवल लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार करने वाली अमेरिकी कंपनियों की संपत्ति आज कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली माइक्रोसॉफ्ट नामक बहुराष्ट्रीय कंपनी की सम्पत्ति 3.126 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। एप्पल नामक बहुराष्ट्रीय कंपनी की संपत्ति 2.65 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। ऐमेजोन नामक बहुराष्ट्रीय कंपनी की संपत्ति 1.87 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। इसी प्रकार, मेटा नामक अमेरिकी कंपनी की संपत्ति 1.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। अमेरिका ने अधिकतम लाभ अर्जन को मुख्य उद्देश्य मानकर पूंजीवाद को बढ़ावा दिया जिससे आज अमेरिका कई अरबपति बहुराष्ट्रीय कंपनियों का स्वर्ग बन गया है और आज इन अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की संपत्ति कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रान्स आदि जैसी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास है।

भारतीय परंपरा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांटकर समाज में अति पिछड़ा वर्ग की मदद हेतु भी एक हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि अति गरीब वर्ग भूखा न रहे। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का संचार करते हैं। इसी कारण से आज विश्वभर में फैले आतंकवाद से निपटने में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। अत: भारतीय सनातन संस्कृति को पूरे विश्व के हितार्थ समस्त देशों को अपनाना चाहिए, आज यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है। साथ ही, भारत में 'संयुक्त परिवार' ही भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है। पश्चिमी देशों में तो आज संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां पर सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। इन देशों में तलाक की दर बहुत अधिक है और इन देशों में नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को एक पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती है। बुजुर्ग दंपति अपने अंतिम समय पर बहुत पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसा की प्रवृति बढ़ रही है एवं छोटे छोटे बच्चे डीप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। उक्त प्रकार की कई सामाजिक बुराईयों ने इन देशों में अपना घर बना लिया है। 'भारत ने विश्व का दिल जीता है' एवं 'भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है', 'सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के डीएनए में है' जैसे विमर्श आज हम भारतीयों को गढ़ने की जरूरत है। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि 'प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय', यह भारतीय विचारधारा है। हिंदू एक जीवन पद्धति है इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आशय अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से है। जबकि कई बार हिंदू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है और हिंदू को एक अलग धर्म मान लिया जाता है। हिंदू राष्ट्र भारत की संकल्पना है।

अत: आज यदि कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की महती आवश्यकता है। भारतीय सनातन संस्कृति तो इस धरा पर उपस्थित समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। परंतु, दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। इस हिंसा को केवल और केवल भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोका जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श को गढ़कर, इस विमर्श के माध्यम से विश्व के अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है। बता दें कि नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने कहा है कि भारत अगले दो-तीन वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने सोमवार को बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित संवाददाता सम्मलेन में कहा कि अभी भारत दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है और जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है वह आने वाले दो-तीन वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक हमारी अर्थव्यवस्था दोगुनी यानी 7 ट्रलियन डॉलर होने जा रही है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश को वर्ष 2047 तक यानी आजादी के 100 साल पूरे होने पर विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है। आज अमेरिका की जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था है वर्ष 2047 में उससे बड़ी भारत की होगी।

राहुल की बात नहीं मानकर हुड्डा ने की कमलनाथ वाली गलती

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव नतीजों की तस्वीर अब साफ गई है। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाती दिख रही है तो वहीं जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ ने बीजेपी को सत्ता की कुर्सी से दूर कर दिया है। रिजल्ट से तीन दिन पहले आए एग्जिट पोल के नतीजे एक बार फिर फेल साबित होते दिखाई दिए। 5 अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव की वोटिंग के कुछ देर बाद जारी किए गए एग्जिट पोल के नतीजों ने हरियणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया था।

5 अक्टूबर की शाम को कई चैनलों के एग्जिट पोल जारी किए गए थे। हरियाणा में अधिकतर एग्जिट पोल कांग्रेस की सरकार बनवा रहे थे, हालांकि जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी की सरकार बनने की बात कही थी। आइए एक बार एग्जिट पोल के आए नतीजों की बात कर लेते हैं। पहले बात हरियाणा की करते हैं। हरियाणा में मैट्रिक एग्जिट पोल के अनुसार, कांग्रेस को 55-62, बीजेपी को 18-24, निर्दलीय को 3-6 और आम आदमी पार्टी को 2-5 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। दैनिक भास्कर के अनुसार, हरियाणा में कांग्रेस को 44-54, भाजपा को 19-26, निर्दलीय को 1-5 और अन्य को 4-9 सीटें मिलने का अनुमान था। यहां आप को एक भी सीट न मिलने का दावा था।

पीपुल्स पल्स सर्व का एग्जिट पोल देखिए। इसके एग्जिट पोल के अनुसार, कांग्रेस को 55, बीजेपी को 26, इनलो को 2-3, अन्य को 4-6 और आम आदमी पार्टी को शून्य सीट दिखाया था। ध्रुव रिसर्च के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 55-62, बीजेपी को 18-24, जेजेपी को 0-3 और अन्य को 5-11 सीटें मिलने का अनुमान था। आजतक- सी वोटर में कांग्रेस को 50-58, बीजेपी को 20-28 और अन्य को 10-14 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया था। हरियाणा से उलट जम्मू-कश्मीर के चुनाव नतीजे एग्जिट पोल से मिलते-जुलते दिखाई दिए हैं। आजतक सी वोटर, रिपब्लिक मैट्रिज, एबीवीपी सहित कई चैनलों के एग्जिट पोल जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस- नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया था जो सही होता दिखा है। शुरू से ही कांग्रेस-एनसी बीजेपी पर बढ़त बनाए रही और अब यह परिणाम में भी बदलते दिख रहे हैं।

हरियाणा में एग्जिट पोल के उलट बीजेपी सरकार बनाती दिख रही है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी को 49 तो वहीं कांग्रेस को 35 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य के खाते में 6 सीटें आती दिख रही हैं। जम्मू-कश्मीर की बात करें तो कांग्रेस-एनसी गठबंधन को 52 और भाजपा को 27 सीटें मिलती दिख रही हैं। अन्य के खाते में 9 तो महबूबा मुफ्ती की पार्टी को सिर्फ 2 सीट मिल रही है। तो हरियाणा में बीजेपी की सरकार परिणाम साफ होने के बाद बनेगी तो वहीं जम्मू-कश्मीर में एनसी-कांग्रेस गठबंधन रूल करेगी।

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में अब तक हुई वोटों गिनती में चौंकाने वाले संकेत दिख रहे हैं। अब तक हुई वोटों की गिनती के बाद आए रिजल्ट और रुझानों को मानें तो हरियाणा में बीजेपी ने सारे पॉलिटिकल पंडितों के दावों को झुठलाते हुए लगातार तीसरी बार सरकार बनाती हुई दिख रही है। वहीं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल बहुमत का नंबर हासिल करती हुई दिख रही है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव रिजल्ट पर थोड़ा बारीकी से ध्यान देने पर पता चलता है कि इस चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत हुई है। वहीं बीजेपी के लिए हरियाणा में जीत मिलने के बाद भी परेशान होने की जरूरत है। आइए इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम से बने नये राजनीतिक समीकरण को समझते हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में अब तक आए रिजल्ट पर नजर डालें तो यहां इंडिया गठबंधन की जीत हुई है। यह जीत सीटों के हिसाब से तो नहीं है, लेकिन वोट प्रतिशत के आंकड़ों में जरूर है। अब तक गिने गए वोटों के हिसाब से कांग्रेस को सबसे ज्यादा 40.03 फीसदी सबसे ज्यादा वोट मिले हैं। वहीं बीजेपी को 39.79 फीसदी वोट मिले हैं। यहां गौर करने वाली बात यह है कि आम आदमी पार्टी को 1.65 फीसदी वोट मिले हैं। अगर हरियाणा में लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी इंडिया गठबंधन एकजुट होकर मैदान में उतरता तो सीटों के हिसाब से रिजल्ट में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता था। क्योंकि वोट प्रतिशत के हिसाब से देखें तो 40.03+1.65 तो यह नंबर 41.68 फीसदी हो जाता है। वहीं बीजेपी से इसकी तुलना करें तो यह अंतर 1.89 फीसदी का है। इस बात को बीजेपी के थिंकटैंक भी मानेंगे कि द्विपक्षीय मुकाबले में 1.89 फीसदी वोट कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है।यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में अब तक हुई वोटों की गिनती में करीब 28 ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के 5 हजार या उससे कम वोटों का अंतर दिख रहा है। ऐसे में आम आदमी पार्टी अगर कांग्रेस के साथ हरियाणा चुनाव में उतरती तो इसका कुछ और ही असर हो सकता था।

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी अंतिम वक्त चाहते थे कि आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन हो। लेकिन सूत्र बताते हैं कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अति आत्मविश्वास के चलते यह गठबंधन नहीं हो सका। चुनाव के बीच में अरविंद केजरीवाल जब जेल से बाहर आए तो लगा कि कांग्रेस और आप का गठबंधन लगभग तय है, लेकिन हुड्डा इसके लिए तैयार नहीं हुए।

यहां याद दिला दूं कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान कमलनाथ अति आत्मविश्वास में दिखे थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी को साथ लेने से मना कर दिया था और अखिलेश यादव के नाम पर बड़बोलेपन वाला बयान भी दे दिया था। हरियाणा के विधानसभा चुनाव को देखकर यही लगता है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी कमलनाथ वाली गलती की और कांग्रेस का एक और राज्य जीतने का सपना धरा रह गया। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी की सलाह को पूरी तरह से माना गया। उसी के तहत कांग्रेस और फारुख अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन बनाकर चुनाव में उतरे और उसका उन्हें फायदा दिख रहा है। 90 विधानसभा सीटों वाले जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन 50 से ज्यादा सीटें अपने खाते में लाकर सरकार बनाती हुई दिख रही है। वहीं बीजेपी धारा 370 हटाकर भी महज 28 सीटों पर सिमटती दिख रही है।

इस तरह कह सकते हैं कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को अगर बनाए रखा जाता तो रिजल्ट कुछ और ही देखने को मिल सकता था। लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने आगे बढ़कर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, जिसकी वजह से बीजेपी अपने बूते बहुमत के नंबर तक पहुंचने में असफल रही थी।

कांग्रेस की 'गारंटियों' पर भारी पड़े बीजेपी के 'संकल्प'

हरियाणा विधानसभा चुनाव के जैसे नतीजे आए हैं उसकी बीजेपी ने खुद भी उम्मीद नहीं की होगी। एग्जिट पोल वाले दिन से ही मुरझाए चेहरे अचानक चमक गए। सुबह जब काउंटिंग शुरू हुई तो शुरुआती रुझानों में कांग्रेस एकतरफा जीत की तरफ बढ़ती दिख रही थी लेकिन उसकी ये खुशी घंटे-दो घंटे में ही काफूर हो गई। बाजी पलट गई। बीजेपी ने हरियाणा में स्पष्ट बहुमत के साथ जीत की हैटट्रिक बनाई है। किसान-जवान-पहलवान के जरिये कांग्रेस ने नैरेटिव तो खूब गढ़ा लेकिन बीजेपी जीत गई, जीत क्या गई, सूबे में अपनी अबतक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नैरेटिव गढ़ा। किसान-जवान-पहलवान के मुद्दे पर आक्रामकता के साथ प्रचार किया। किसान आंदोलन के बहाने बीजेपी को घेरने की तैयारी की। अग्निवीर के मुद्दे पर जवानों की बात करके 'असली राष्ट्रवाद' का भी नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की। बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के आंदोलन का चेहरा रहीं ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट को चुनाव मैदान में उतारकर पहलवान बिरादरी के साथ-साथ जाट वोटों को जबरदस्त तरीके से साधने की कोशिश की। 7 गारंटियों के नाम पर लोकलुभावन वादे किए।

कांग्रेस ने चुनाव के दौरान बीजेपी के खिलाफ मजबूत नैरेटिव गढ़ा। नेताओं का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था। सारे के सारे एग्जिट पोल भी कांग्रेस की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे लेकिन पार्टी का अति-आत्मविश्वास और अति-आक्रामकता ही उसके खिलाफ चली गई। पार्टी ने पहलवानों के आंदोलन को एक तरह से जाट अस्मिता से जोड़ने की कोशिश की। अहम मुकाबले से पहले वजन बढ़ने की वजह से ओलिंपिक मेडल से हाथ धोने वाली विनेश फोगाट का दीपेंद्र हुड्डा समेत तमाम कांग्रेसी नेताओं ने जुलूस निकालकर स्वागत किया। हद तो तब हो गई जब जाट समाज की अगुआई का दावा करने वालों ने फोगाट को 'खाप पंचायत गोल्ड मेडल' दे दिया। कांग्रेस ने पहलवान आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहीं विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को न सिर्फ पार्टी में शामिल किया बल्कि फोगाट को जुलाना विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में भी उतार दिया। इन सबके बीच अनजाने में ही सही, कांग्रेस ने कहीं न कहीं जाट बनाम गैर-जाट ध्रुवीकरण को हवा दे दिया।

बीजेपी ने चुनाव से पहले दुष्यंत चौटाला की जेजेपी से दूरी बना ली क्योंकि उसे अंदाजा हो गया था कि उसे चुनाव में जाट वोट मिलने से रहे। इस 'पार्ट टाइम पार्टनरशिप' की गाज जेजेपी पर पड़ी। जाट बनाम गैर-जाट ध्रुवीकरण का बीजेपी को सीधा फायदा हुआ। निर्णायक रुझानों को देखने से लगता है कि बीजेपी के पक्ष में गैर-जाट ओबीसी के साथ-साथ दलित वोट भी खूब पड़े हैं। हरियाणा में 20 प्रतिशत दलित हैं और इस बार बीजेपी उन्हें लुभाने में शायद कामयाब हुई है। बीजेपी के लिए चुनौतियां बहुत थीं। 10 साल से सत्ता में रहने की वजह से सत्ताविरोधी रुझान से निपटना उसके लिए चुनौती थी। चुनाव से ठीक पहले बीजेपी ने वादा किया कि वह 24 फसलों पर एमएसपी देगी। अग्निवीरों को इंट्रेस्ट-फ्री लोन देने का ऐलान किया। लेकिन कांग्रेस का बहुत ज्यादा शोरगुल जाट-गैरजाट ध्रुवीकरण को हवा दे गया और पार्टी को उसका नुकसान उठाना पड़ा।

कांग्रेस ने चुनाव में 7 गारंटियों के जरिए लोकलुभावन वादे किए। 300 यूनिट तक फ्री बिजली, 25 लाख रुपर तक का मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए 100 गज का प्लाट, महिलाओं के लिए हर महीने 2000 रुपये जैसे एक से बढ़कर एक लोकलुभावन वादे। बीजेपी को अंदाजा हो गया कि अगर इसकी काट नहीं की गई तो बाजी हाथ से निकल जाएगी। उसने भी महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2,100 रुपर, हर परिवार को 10 लाख रुपर तक का मुफ्त इलाज, हर जिले में ओलिंपिक खेलों की नर्सरी, ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज जाने वाली छात्राओं को मुफ्त में स्कूटर, हरियाणा के हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी समेत 20 'संकल्पों' का पिटारा खोल दिया। आखिरकार जनता ने कांग्रेस की 7 'गारंटियों' के मुकाबले बीजेपी के 20 'संकल्पों' पर भरोसा जताया। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव से पहले ही सूबे में मुख्यमंत्री बदल दिया। मनोहर लाल खट्टर को बदलकर उनके ही भरोसेमंद नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री का पद सौंप दिया। सैनी को ओबीसी चेहरे के तौर पर पेश किया। इससे जाट दबदबे वाले राज्य में ओबीसी को बीजेपी के पक्ष में लामबंद होने का एक और कारण दिया। 10 साल की एंटी-इन्कंबेंसी की काट के लिए चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदलने का बीजेपी का यह दांव काम कर गया लगता है। कांग्रेस में चुनाव से पहले अंतर्कलह और मुख्यमंत्री पद को लेकर नेताओं की अपनी-अपनी दावेदारी को बीजेपी ने भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। चुनाव में 70 से 80 प्रतिशत उम्मीदवार भूपेंद्र सिंह हुड्डा खेमे के उतारे गए। उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी सैलजा कुमारी का इससे बेचैन होना लाजिमी था। हालांकि असंध की रैली में राहुल गांधी ने सैलजा और हुड्डा को एक मंच पर लाकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश जरूर की।

आरके मेडिकल, आरके इलेक्ट्रॉनिक, आर के भवन निर्माण सामग्री सप्लायर भ्रष्टाचार के साथ साथ धोखाधड़ी का आरोप

अनूपपुर के बेलबेहरा में एक ही दुकान तीन फर्जी दुकानो के नाम बना रही फर्जी बिल

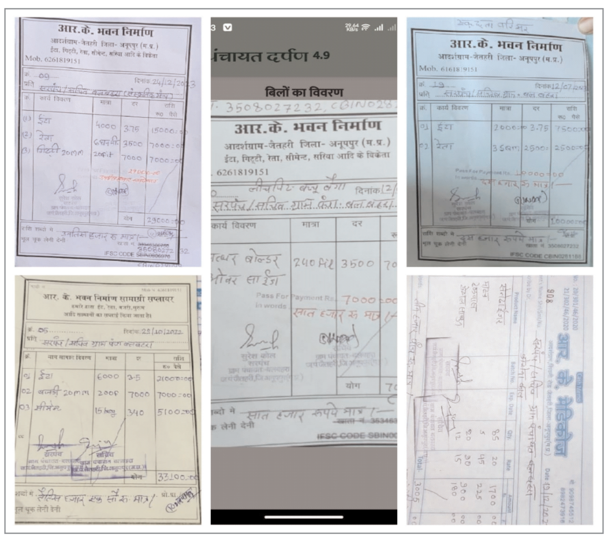

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर जिले की जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत बेलबहरा का है ये मामला , आर के भवन निर्माण सामग्री के नाम से कई लाख के बिल ग्राम पंचायत बेलबाहरा में पास हो गए जब ये दुकान है ही नही या यू कहे की जिस दुकान का अस्तित्व ही नहीं है उस दुकान से ग्राम पंचायत में खरीदी भी हो गई भुगतान भी हो गया बस सामान नहीं पहुंचा ,क्युकी जब दुकान है ही नही तो समान कहा से आएगा , ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच एवम आरके मेडिकल के संचालक द्वारा मिलकर शासकीय राशि की निकासी फर्जी बिल लगा कर की गई एवम उस राशि का बंदर बाट कर लिया गया ।। आरके मेडिकल सिर्फ एक मेडिकल स्टोर है जो की जनपद पंचायत के पास स्थित है इसके अलावा आरके इलेक्ट्रॉनिक आरके भवन निर्माण सामग्री पूरे जैतहरी में कही भी नही है , मजे की बात तो ये है की मेडिकल स्टोर के मालिक का नाम खाता ढ्श ओर यह तक की मोबाइल नंबर भी एक ही है कही वो सेनेटाइजर पंचायत में भेज देता है तो कभी रेत ईट गिट्टी इस आर के मेडिकल वाले के पास जादू की छड़ी है शायद की जब बेलबहरा सचिव और सरपंच ने बोला गिट्टी चाहिए तो आर के मेडिकल वाले ने जादू की छड़ी गुमाई ओर दवाई से गिट्टी बना कर दे दी । ये कोई मामूली सा भ्रष्टाचार या बंदरबाट का मामला नही है ये एक देशद्रोह का मामला है ,क्युकी ये सीधे सीधे करदाताओं की मेहनत की राशि को धोखाधड़ी कर इस्तेमाल करने का मामला और शासकीय राशि हड़प कर गरीब जनता का हक मारने का मामला है,इस कारण इस भ्रष्टाचार एवं धोखाधड़ी के जो जो करता धर्ता है उन पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

इस मामले की ओर जानकारी निकालते समय एक बात ये भी पता चली की इस भ्रष्टाचार एवं इस धोखाधड़ी का खुलासा करने के लिए जब ग्राम पंचायत के एक निवासी ने आरटीआई का सहारा लिया तो सीईओ साहब ने ये कहते हुए जवाब देने से इंकार कर दिया की सब रिकॉर्ड जल गया है ।। इससे ये स्पष्ट है की आर के मेडिकल संचालक ग्राम पंचायत सचिव सरपंच एवम सीईओ साहब इस भ्रष्टाचार एवं धोखाधड़ी को छुपाना चाहते है और इन सभी ने इस शासकीय राशि का बंदरबाट किया है।

बहला फुसलाकर भगा ले जाने एवं दुष्कर्म के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा घर से लापता नाबालिग किशोरी दमन एवं दीव से दस्तयाब

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, दिनांक 17.09.2024 को करीब 16 वर्षीय नाबालिग बालिका के परिजनो द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि रात्रि में अचानक बालिका घर से बिना बताये चली गई है, जिसकी रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 419/24 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली पुलिस एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा घटना दिनांक को अनूपपुर नगर के सी.सी.टी.वी. फुटेज एवं मोबाईल काल डिटेल से प्राप्त जानकारी के आधार पर उक्त बालिका को दमन एवं दीप केन्द्र शासित प्रदेश के सिलवासा से दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि नाबालिग बालिका की मोबाईल पर खेले जाने वाले आनलाईन फ्री फायर गेम एवं सोशल मीडिया इन्स्टांग्राम में नैनेश्वर हीरे (21 वर्ष) निवासी गोरेगांव मुम्बई (महाराष्ट्र) से परिचय होने के बाद दोस्ती हो गई जिसने नाबालिग बालिका को शादी करने का बहकावा देकर ट्रेन से कल्याण स्टेशन बुलवा लिया एवं गोरेगांव मुम्बई में अपने घर में रुकवाकर शादी का झांसा देकर नाबालिग बालिका से दुष्कर्म किया। नाबालिग बालिका को अपने घर में ठहराने में आरोपी नैनेश्वर हीरे के पिता महेन्द्र हीरे ने भी सहयोग किया और पुलिस के पकड़े जाने के डर से नैनेश्वर हीरे ने उक्त नाबालिग बालिका को गोरेगांव मुम्बई, महाराष्ट्र से दमन एवं दीव केन्द्र शासित प्रदेश में सिलवासा में अपने परिचित राजू पवार के घर पर रुकवा दिया जो पुलिस द्वारा प्रकरण में धारा 64 (1), 64 (2) (एम),65(1) ,142,87,96,3(5) भारतीय न्याय संहिता 3,4,5 (एल), 6 पाक्सो एक्ट जोड़ा जाकर उक्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली अनूपपुर लाया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा तत्परता पूर्वक नाबालिग बालिका की पता साजी कर दमन एवं दीप केन्द्र शासित प्रदेश से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंपे जाने के लिए टी. आई. कोतवाली अरविन्द जैन, उपनिरीक्षक सरित लकड़ा, सहायक, उपनिरीक्षक आर एन तिवारी, आरक्षक मोहन जामरा एवं महिला आरक्षक कविता विकल को पुरूष्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

गिरफ्तार आरोपियो के नाम

1. नैनेश्वर हीरे पिता महेन्द्र हीरे उम्र 21 सात निवासी रोहिदास नगर, गोरेगांव मुम्बई महाराष्ट्र
2. महेन्द्र हीरे पिता देवीदास हीरे उम्र 52 साल निवासी रोहिदास नगर, गोरेगांव मुम्बई महाराष्ट्र
3. राजू पंवार पिता गोकुल पंवार उम्र करीब 40 साल निवासी सिलवासा दमन एवं दीप केन्द्र शासित प्रदेश

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है कि माता पिता एवं पालको को चाहिए कि वह नाबालिग बालक एवं बालिकाओ को सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इन्स्टाग्राम, वाटसअप एवं विभिन्न आनलाईन इंटरनेट आधारित गेम के उपयोग के दौरान आवश्यक रूप से निगरानी रखे जिससे कि नाबालिग बालक बालिकाओं को इस प्रकार के अपराधों का शिकार होने से बचाया जा सके।

कोतमा पुलिस द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कोतमा में मैं हूं अभिमन्यु कार्यक्रम का आयोजन

सुशिल सोनी। सिटी चीफ कोतमा, आज दिनांक 08/10/24 को कोतमा पुलिस द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कोतमा में मैं हूं अभिमन्यु* विशेष जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय कोतमा के प्रिंसिपल सभी शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे जिंहे महिलाओ और बालिकाओ के खिलाफ हो रहे अपराधो, घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं बालिकाओ के लिए समाज में सुरक्षित वातावरण निर्मित किये जाने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। तथा मैं हूं अभिमन्यु संदेश के माध्यम से पुरुषों को समाज में व्याप्त नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा और लिंग भेद जैसी सामाजिक बुराईयो के खिलाफ जागरूक किया गया। तथा शासन की हेल्प लाइन नंबरो के संबंध मे बताया गया / मै हूं अभिमन्यु,, का रथ कोतमा नगर में भ्रमण कराया जाकर प्रचार प्रसार किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह, उप निरीक्षक अवध पाण्डेय, प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, दिनेश राठौर, कपिल उईके, चालक आरक्षक दिनेश किराडे उपस्थित थे।

मोहन कुमारी ने जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र में किया सघन दौरा

माँ दुर्गा की अर्चना कर क्षेत्र के लोगों के लिये मंगल कामना

राजीव खरे । सिटी चीफ (छत्तीसगढ़) जैजेपुर, विगत दिवस प्रसिद्ध समाज सेविका मोहन कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष साहू संघ छत्तीसगढ़, जिला महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा सक्ती, एवं जनपद सदस्य बम्हनीडीह ने जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के विभिन्न स्थानों में जाकर विराजित जगतजननी मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की । इस दौरान उन्होंने सभी ग्रामों के ग्रामीणों विशेषकर महिलाओं से बात कर उनका न सिर्फ़ कुशलक्षेम जाना बल्कि उनकी समस्याओं का भी जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के बीच बस्ती,देवरहा, शांति चौक बसंतपुर,गणेश चौक बसंतपुर, सड़क पारा बसंतपुर, ठाकुर देव महाराज ज्योति कलश,ग्राम सेमरिया, ग्राम सिलादेही - सड़क पारा, सिलादेही - भाटापारा, शुक्ला पारा सिलादेही, बाजार पारा सिलादेही, पुरानी बस्ती बजरंग चौक सिलादेही, पुरानी बस्ती कहरापारा सिलादेही, सोनबरसा पारा सिलादेही, गढ़पारा सिलादेही, दुर्गा चौक ग्राम मौहाडीह , ग्राम गतवा में राधाकृष्ण चौक, स्कूल पारा नकटीडीह , गृह ग्राम देवरानी में जगतजननी माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का पूजन कर क्षेत्र व लोगों के विकास लिये मंगल कामनाएँ कीं। एवं वे ग्राम बिर्रा में मृत वानर राज की स्मृति में हनुमान मंदिर के भूमिपूजन तथा ग्राम बिर्रा के ठाकुर देव मोहल्ला में ज्योति कलश की स्थापना कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। अपने बीच अपनी मोहन कुमारी को पास पाकर ग्रामीण बहुत खुश थे । उन्होंने कहा कि हमारी मीनू दीदी हमारा हमेशा ध्यान रखती हैं और हमारी समस्याओं को दूर करने में व क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा सजग रहती हैं।

अनूपपुर, दमेहडी में थाना करनपठार स्टाफ के द्वारा शासकीय बालिका छात्रावास में गुड़ - टच, बैड - टच की दी गई जानकारी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ कोतमा, वरिष्ट अधिकारियों के निर्देशन पर दिनांक 08/10/2024 को बालिका कन्या छात्रावास दमेहडी में जाकर कन्या छात्रावास दमेहडी में निवासरत एवं हाई स्कूल दमेहडी में अध्ययन रत बालिकाओ को गुड टच एवं बैड टच के बारे में समझाईस दी गयी उक्त कार्यवाही में श्री नवीन तिवारी अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के द्वारा एवं उप निरी. संजय खलखो थाना प्रभारी थाना करनपठार ,चौकी प्रभारी सरई थाना करनपठार उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे सउनि. धनेश्वर पटेल, सउनि. मुनीन्द्र गवले, आर. 415 दिलीप सिंह, म. आर. 430 शशि गोड के द्वारा समझाईस एवं जानकारी दी गई है।

पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण परिषद के बैनर तले,भव्य देवी जागरण एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सिवनी, नवरात्रि पर्व पर अनेक स्थानों में शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की मनमोहक मूर्तियां स्थापित की गई है।अनेक स्थानों में प्रतिदिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि पर्व नवमी को हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी शनि मंदिर प्रांगण खैरा पलारी (केवलारी) दिनांक 11/10/2023 दिन शुक्रवार को देवी जागराण का कार्यक्रम एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है,जिसमे नवदुर्गा जागरण ग्ररुप नागपुर के सुप्रसिद्ध टी सीरीज देवी गीत गायक धीरज पांडे, सुप्रसिद्ध भजन गायिका काजल बांगरे,सुप्रसिद्ध भजन गायिका महेश्वरी वैरागड़े, के द्वारा मातारानी के भजनों की, एवं डांसरों के साथ मनमोहक झांकियां की प्रस्तुति दी जायेंगी।पत्रकार सुरक्षा कल्याण परिषद संगठन के जिला इकाई सिवनी के जिला अध्यक्ष कैलाश लाहोरी द्वारा खैरापलारी में देवी जागरण एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होगे, श्री राम ठाकुर (भाजपा जिला उपाध्यक्ष सिवनी), विशिष्ट अतिथि में होगे, आनंद पंजवानी, डॉ.अवध राज सिंह, अंकित शर्मा , पृथ्वीराज जगने, शुभम दयाल पटेल,अंकित पटेल, शैलेंद्र विश्वकर्मा, राजू तिवारी।

ओपन कास्ट राजनगर secl की सहयोगी कंपनी mkl नही करती किसी सुरक्षा नियम का पालन, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

कंपनी mkl द्वारा वर्क शॉप में हो रहा घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर जिले में स्थित एसईसीएल कोल माइन्स राजनगर ओपन माइन में मिट्टी उठाने का कार्य कर रही द्वद्वद्य कंपनी जो की अंबिकापुर की कंपनी है इसके द्वारा सुरक्षा नियमो की अनदेखी की जा रही है एक तो ये अपने वर्कशॉप पर घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग बेल्डिंग वर्क के लिए कर रहे है दूसरा जहा ये बेल्डिंग का वर्क करते है वहा डीजल से भरे हुए कई ड्रम रखे हुए रहते है , बेल्डिंग वर्क और ज्वलनशील पदार्थ इतने पास होने से कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है इस कंपनी में लगभग 200वर्कर कार्य कर रहे है और इसके कैंप के आस पास भी कई वर्कर कार्यरत रहते है जिनकी जान ये दाव पर लगा रहे है इस बारे में ह्यद्गष्य राजनगर ओपन माइन के सबेरिया मैनेजर से बात कर उन्हें इसकी जानकर देने पर उन्होंने कहा ये सब हम नही देखेंगे आप कंपनी वाले से बात करो क्या सबेरिया मैनेजर की माइन के अंदर सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं है ,या ये अपनी जिम्मेदारी निभाना नही चाहते , या इन कंपनियों से मोटी रकम कमीशन के तौर पर ले कर इन्हें मनमर्जी करने की खुली छूट प्रदान कर रखी है।

इस बारे में मुख्य प्रबंधक एसईसीएल जी एम साहब से भी बात हुई उन्होंने अपना बिलासपुर रहने की एवं सबेरिया मैनेजर से बात करता हु कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया क्या ये जिमेदार अधिकारी किसी बड़ी अनहोनी होने का इंतजार कर रहे है ।

अगर यहां कोई दुर्घटना होती है तो वह बहुत ही भयावह होगी और बहुत बड़े नुकसान के साथ साथ जान मल का भी नुकसान हो जायेगा। इसका पूरा वीडियो भी उपलब्ध है।

कटनी के गोलबाजार रामलीला मैदान में प्रशासन ने की कार्रवाई

बिना अनुमति स्थापित राम दरबार की प्रतिमाओं को हटाया गया

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले गोलबाजार रामलीला मैदान में बाएं तरफ बिना अनुमति एक व्यक्ति द्वारा रातोरात स्थापित की गईं श्रीराम, जानकी जी, लक्ष्मण जी और हनुमान जी सहित अन्य प्रतिमाओं को आज नगर निगम प्रशासन और जिला प्रशासन के द्वारा दूसरी जगह ले जाने की कार्यवाही की गई है। इस दौरान भरी मात्रा में कोतवाली पुलिस अधिकारियों समेत पुलिस बल भी तैनात रहा। इस कार्यवाही के दौरान इलाके में गहमा गहमी का माहौल निर्मित रहा। इस कार्यवाही के दौरान मौके पर जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस मौजूद रहा। नगर निगम के अधिकारी शैलेंद्र प्यासी ने बताया कि रामलीला कमेटी की शिकायत के बाद रामलीला मैदान से राम दरबार को हटाने की कार्यवाही की गई है। कमेटी का कहना है कि यह मैदान रामलीला मंचन और अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित किया गया है लेकिन यहां कुछ समय पहले एक व्यक्ति जिसका नाम विवेक पाठक जो शहर में गोविंद सरकार के नाम से जाना जाता है। उसने कुछ पहले यहां कब्जा करते हुए राम दरबार की स्थापना कर दी थी, जब अयोध्या में रामलला का मंदिर बनकर तैयार हुआ और राम जी की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। आस्था और श्रद्धा की वजह से तबसे भगवान की मूर्तियां वैसे ही रखी हुई थी, लेकिन शिकायत पूर्व में कई बार की जा चुकी थी। एक दिन पहले रामलीला मैदान में ऑडिटोरियम निर्माण को लेकर जिला न्यायालय ने रोक लगा दी है, संभवत: कोर्ट का आदेश होने के बाद ही प्रशासन के अधिकारी यहां पहुंचे हैं। गोलबाजार रामलीला मैदान में चबूतरा निर्माण कराया गया था। जिसके बाद चबूतरे पर राम दरबार की प्रतिमा स्थापित करा दी गई थी। जिसके बाद से ही गोलबाजार रामलीला मैदान में अनाधिकृत रुप से रखी गई प्रतिमाओं को हटाने के लिए शिकायत की जा रही थी। जिसके बाद मंगलवार शाम को राजस्व, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने गोलबाजार से रामलीला मैदान में रखी गई प्रतिमाओं को हटाकर नगर निगम परिसर स्थित मंदिर के पास रखवा दिया गया था। अतिक्रमण हटाने के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी, नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहा। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार शर्मा, खिरहनी चौकी प्रभारी सहित काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

नगर निगम ने तीन घंटे तक कार्यवाही करते हुए राम दरबार को वहा से हटा दूसरी जगह मूर्ति स्थापना करने की बात कह रही है। वही जिसने यहां कब्जा कर मूर्ति स्थापना की थी उनका कहना था की वे दोबारा इसी जगह पर फिर से मूर्ति स्थापना करूंगा। लेकिन पुलिस बल ने उसे समझाते हुए शांत करा दिया।

बर्शी मेला/ दुर्गा उत्सव के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए माधव नगर पुलिस की पैदल मार्च और मोटरसाइकिल भ्रमण

सुनील यादव ।सिटी चीफ कटनी, कटनी पुलिस अधीक्षक श्री अभिजीत रंजन (आईपीएस) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी माधव नगर अनूप सिंह थाने के दल-बल के साथ दुर्गा उत्सव के अवसर पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने थाना क्षेत्र में पैदल मार्च एवं मोटरसाइकिल भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस ने विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों एवं पंडाल संचालकों से मिलकर उन्हें सुरक्षा एवं आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य दिशा-निर्देश

1. साउंड बॉक्स (डीजे) संचालनट्ट रात्रि 10ः00 बजे के बाद डीजे का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित है।

2. पंडाल का स्थानट्ट पंडाल सड़क पर नहीं होना चाहिए ताकि आम जनता के आवागमन में बाधा न हो।

3. रात्रिकालीन सुरक्षाट्ट मूर्ति स्थल पर दो नामांकित वॉलंटियर्स की तैनाती होनी चाहिए, जो पुलिस से संपर्क में रहें।

4. धार्मिक संगीतट्ट केवल धार्मिक गाने बजाए जाएं, फिल्मी या उन्माद फैलाने वाले गाने न चलाएं।

5. फायर सेफ्टी और प्राथमिक उपचारट्ट पंडाल में अग्नि सुरक्षा उपकरण एवं प्राथमिक उपचार बॉक्स अनिवार्य रूप से रखें।

6. सीसीटीवी कैमरेट्ट पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य है।

7. विद्युत व्यवस्थाट्ट सुरक्षित तरीके से अस्थायी विद्युत कनेक्शन लिया जाए।

8. पंडाल की ऊंचाईट्ट निर्धारित मापदंडों के अनुसार हो।

9. बेरीकेटिंगट्ट पंडाल के चारों ओर सुरक्षा हेतु बेरीकेटिंग अनिवार्य है।

10. बिजली के तारट्ट खुले बिजली के तार व्यवस्थित रूप से लगाए जाएं।

11. भीड़ नियंत्रणट्ट भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त वॉलंटियर्स नियुक्त किए जाएं।

12. मंच का उपयोगट्ट किसी भी राजनैतिक या धार्मिक विद्रोह के लिए मंच का उपयोग न किया जाए।

13. वॉलंटियर्स की सूचीट्ट संबंधित थाने को वॉलंटियर्स की सूची उपलब्ध कराई जाए।

14. संपर्क बोर्डट्ट पंडाल के पास एक बोर्ड लगाकर आयोजकों, थाना प्रभारी, कंट्रोल रूम, नगर निगम और विद्युत विभाग के अधिकारियों के नाम व संपर्क नंबर अंकित करें।

15. मूर्ति विसर्जनट्ट निर्धारित स्थल पर ही किया जाए।

16. आवागमन मार्गट्ट आगमन और निर्गमन के रास्ते खुले रखें।

17. अतिक्रमणट्ट पंडाल क्षेत्र के अतिरिक्त कोई अतिक्रमण न किया जाए।

साउंड सिस्टम संचालकों के लिए दिशानिर्देश

1. ध्वनि प्रदूषण नियमट्ट ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 का पालन करें।

2. कोर्ट के निर्देशट्ट माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करें।

3. ध्वनि सीमाट्ट शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा का अनुपालन करें।

4. रात्रि 10ः00 बजे के बाद संचालनट्ट रात्रि 10ः00 बजे के बाद साउंड सिस्टम का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित है।

पुलिस ने सभी आयोजकों और संचालकों को इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी है, ताकि दुर्गा उत्सव शांति एवं सुरक्षा के साथ संपन्न हो सके।

हरियाणा में भाजपा की तीसरी जीत पर कटनी में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, मिठाई बांटी और की आतिशबाजी

सुनील यादव ।सिटी चीफ कटनी, हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार लगातार पूर्ण बहुमत हासिल किया। जिसको लेकर कटनी जिले में भी भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाते हुए एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाई और आतिशबाजी की। कटनी जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहले सुभाष चौक पर विराजी मां दुर्गा की पूजा पाठ और आरती की ओर उसके बाद माता रानी के दरबार में प्रसाद चढ़ा एक दूसरे को मिठाई खिलाई और शुभकामना दी वही भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अतिशबाजी भी की। जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने कहा की हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार लगातार पूर्ण बहुमत हासिल किया। जिससे सम्पूर्ण देश में खुशी की लहर है। जिसको लेकर वह कटनी जिले में जश्न बना रहे है।

तुलसी अकादमी भोपाल व द मलंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया भव्य कवि सम्मेलन

सुनील यादव ।सिटी चीफ कटनी, तुलसी अकादमी संस्था भोपाल व द मलंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ग्राम कन्हवारा में जनमानस विशाल परिसर में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक विश्वकर्मा विशिष्ट अतिथि श्री सुरेश सौरभ पन्ना एवं मधु जैन माधवी जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें सुरेश सौरभ पन्ना मधु जैन माधवी मैहर प्रमिला किरण इटारसी आनंद पगारे सीहोर सिद्धार्थ श्रीवास्तव रीवा प्रतिमा पटेल जबलपुर रामनरेश मिश्रा कन्हवारा विधार्थी,शानू राज बेखौफ़ , रामानुज पांडेय, तुषार भट्टाचार्य तपन, लखन डेहरिया नरसिंह, शरद जायसवाल, अनिल मिश्रा उमरिया द्वारा भव्य काव्य पाठ कर कार्यक्रम को ऊंचाइयों तक पहुँचाया कार्यक्रम का सफल संचालन लखन डेहरिया नरसिंह , तुषार भट्टाचार्य तपन द्वारा व आभार प्रदर्शन अशोक विश्वकर्मा जी द्वारा सभी कवियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर दिया गया.

टिकरिया टोला ग्राम में उल्टी दस्त से ग्रसित लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

धीरज कुमार अहीरवाल ।सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजकुमार पटेल के मार्गदर्शन में आयुष डिस्पेंसरी अभाना के चिकित्सा अधिकारी डॉ अनंतराम पटेल एवं रंजरा के आयुष अधिकारी डॉ. रामजी माझी एवं उनकी टीम के द्वारा टिकरिया टोला ग्राम में उल्टी दस्त से ग्रसित सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क औषधि वितरण की गई एवं समस्त ग्राम वासियों को जागरूक करने का कार्य भी किया गया।

ई-जनसुनवाई में 6 आवेदनों पर हुई सुनवाई, हुआ सभी का निराकण

कलेक्टर ने कहा इस व्यवस्था का विस्तार किया जायेगा

धीरज कुमार अहीरवाल ।सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा ई-सुनवाई का लाभ यह है कि यदि कोई व्यक्ति बहुत दूरस्थ क्षेत्र में है और वो आ नहीं पाता और यदि वो वही रहकर अपनी समस्या बताना चाहता है तो ऐसे लोगों को सुविधा देना आज से ई-जनसुनवाई प्रारंभ की गई है। आज ऐसे 06 आवेदकों के आवेदनों को सुना है और इन 06 लोगों के आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया और आवेदक पूरी तरह से संतुष्ट हो कर गए। इस व्यवस्था को और विस्तार दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो और उनको बहुत दूर से यहाँ आना न पड़े। उन्होंने कहा सूचना तकनीक और आई.टी. का उपयोग करके जनसुनवाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने का प्रयास लगातार कर रहे है। इसके अलावा हमारे यहाँ पर 05 स्टॉल चलते ही है। इस बार अभी तक 112 लोगों का हेल्थ चेकउप हो गया। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड बनते है, लगातार आधार अपडेशन हो रहे है, ई-के.वाई.सी. हो रहा है और हम यहाँ पर डिस्प्ले बोर्ड जो है। हमारा इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड उस पर सरकार की योजनाओं की जानकारीया पब्लिश करते है ताकि जो यहाँ पर जन सुनवाई में आते उनको सरकार की योजनाओं की जानकारी मिल सके और उनको उसका पूरा लाभ मिल सके।

मैं आपके साथ कदम से कदम, कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा, आप सभी का काम बच्चों को अच्छे से पढ़ाना पढाये, मुझे अच्छे से पढ़ाया तो आज यहा हूँ-कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण सर्वे 2024 की कार्यशाला में पहुँचे कलेक्टर

धीरज कुमार अहीरवाल ।सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मेरे लिये टीचर और जिला शिक्षा अधिकारी सब एक बराबर है, जो अच्छा काम कर रहे है चाहे वह शिक्षक माधव पटेल हो या कोई हो हम सरआँखों पर बिठाते है। उन्होंने कहा बच्चों के भविष्य के लिये गांवों में जाकर देखा है, बच्चों की इच्छा है आगे बढ़ने की, बच्चे कहते है सर हम डॉक्टर बनना चाहते है, आपके जैसे कलेक्टर बनना चाहते है। जब उनसे पूछा जाता है नीट का एग्जाम क्या होता है, तो उन्हें कुछ पता ही नहीं होता नीट क्या होता है, यदि उन्हें कक्षा 8वी-9वी से ही बताया जाता की नीट क्या होता है, जे.ई.ई. यह क्या होता है, आई.ए.एस. की परीक्षा कैसे दी जाती है, तो हो सकता है कि वह बच्चे प्रतियोगिता में आ जाते, तो हम सभी का दायित्व है यह सब बताना। कलेक्टर ने राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण सर्वे 2024 की मानस भवन में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। इस अवसर पर संयुक्त संचालक शिक्षा एस.के. वर्मा खास तौर पर मौजूद थे। कलेक्टर ने कहा मैं यदि स्कूल में जाकर उन्हें कुछ बताता हूं तो यह मैं उनके ऊपर एहसान नहीं कर रहा हूं, सरकार मुझे इसके लिए वेतन देती है, यह मेरी ड्यूटी है कि यदि बच्चे कुछ पूछते हैं तो मैं उनका जवाब दूं। उन्होंने कहा मैं आपके साथ कदम से कदम, कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। आप सभी से आग्रह है ईश्वर ने आपको एक काम दिया है बच्चों को अच्छे से पढ़ाना, आपने अच्छे से पढ़ाया है, इसलिए आज मैं यहां खड़ा हूं। उन्होंने कहा जैसे हमारे परिवार में अवसर आते है, तो हम सामान्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा काम करते है। उन्होंने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं शिक्षा से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों को शिक्षा में गुणवत्ता शैक्षणिक वातावरण शिक्षक-शिक्षिकाओं की भूमिका एवं कुशलता पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन आदि अनेक बिंदुओं पर विस्तार से अपनी बात रखी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, बीआरसी सहित शासकीय-अशासकीय शालाओं के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

एक मिनट का मजा, जीवन भर की सजा नाटक के माध्यम से नशे के खिलाफ दिया संदेश

नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत पुरस्कार वितरण एवं शपथ का आयोजन

भगवान दास बैरागी ।सिटी चीफ शाजापुर। वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी मादक पदार्थों के सेवन की ओर ज्यादा आकर्षित हो रही है। यदि समय रहते हम सचेत नहीं हुए तो युवा पीढ़ी खोकली हो जाएगी। नशे की रोकथाम हेतु अभिभावकों के साथ-साथ समाज के प्रत्येक जागरूक नागरिक को आगे आना होगा। यह बात नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अंकुर प्रगतिशील महिला केंद्र द्वारा सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से 2 से 8 अक्टूबर तक जिले भर में चलाए गए मध्य निषेधसप्ताह के समापन पर मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर ने मुख्य अतिथि के रूप में पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीएम मनीषा वास्कले, प्राचार्य विपुल परमार्थी मौजूद थे। अध्यक्षता संयुक्त कलेक्टर सह प्रभारी उपसंचालक सत्येंद्रसिंह ने की। स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष गायत्री विजयवर्गीय ने दिया। इस मौके पर सिंह ने युवाओं से अपील की कि सभी नशा मुक्त भारत अभियान में जोडक़र नशे की गिरफ्त में जाते युवाओं को पुनर्मुख्य धारा में लाएं एवं नशा करने वाले युवाओं को उपचार हेतु जिला नशा मुक्ति केंद्र में प्रवेश दिलाएं। कार्यक्रम के दौरान हिंद जूनियर कॉलेज के 20 विद्यार्थियों द्वारा एक मिनट का मजा एवं जीवन भर की सजा पर लघु नाटिका के माध्यम से नशे के खिलाफ जन जागृति का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि टैगोर ने नशा नहीं करने एवं नशा मुक्त समाज बनाने हेतु शपथ दिलाई। साथ ही अतिथियों द्वारा स्कूलों कॉलेजों में आयोजित भाषण प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग, नुक्कड़ नाटक के पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग, समग्र सुरक्षा विस्तार अधिकारी जिला विकलांग पुनर्वास केंद्र, गायत्री परिवार, केंद्र की सीमा शर्मा, सतीश गिर, रवि बैरागी, नगर के स्कूल के विभिन्न शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जीवन मे आगे बड़ने के लिए महापुरुषो की जीवन गाथा पढ़ना चाहिए

धार। वनवासी कल्याण परिषद द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती का 500 वाँ जन्म दिवस शासकीय सीनियर कन्या छात्रावास धार व कन्या शिक्षा परिसर तिरला में मनाया। सर्व प्रथम वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मुख अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन का कविताओं के माध्यम से पूर्ण जीवन घटनाओ का वर्णन किया। अवसर पर मुख्य वक्ता लक्ष्मण राज मरकाम ,अपर सचिव मुख्य मंत्री कार्यालय भोपाल, ने छात्राओं को संबोधित करते हुए, बताया वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। छात्राओं को संबोधित करते हुए आगे उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ महापुरुषों, वीरांगनाओं का जीवन गाथा पड़ने से हमें देश के वास्तविक इतिहास का हमें ज्ञान होता हैं, हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ऐ.पी ज्जे अब्दुल कलाम की जीवन गाथा सभी को पढ़ना चाहिए, उनके जीवन से हमें आगे बढ़ने की सीख मिलती हैं। कार्यक्रम का संचालन अमरसिंह परमार ने किया। इस अवसर पर आदिम जाति कल्याण विभाग मंत्रणा परिषद के सदस्य कालूसिंह मुझाल्दा, वनवासी कल्याण पारिषद मध्य भारत प्रांत सह संगठन मंत्री मिथुन मकवाना, प्रांत लोक कला प्रमुख बलवंतसिंह, रावत, वनवासी कल्याण परिषद के प्रदेश सह छात्रावास प्रमुख मूलचंद पलासिया , अमरसिंह ठाकुर, प्राचार्य अंजना तोमर एवं अन्य शिक्षकगण, मालसिंह बघेल व बालिकाएं उपस्थित रहे।

किसान महासम्मेलन में विधायक व जिला पंचायत अध्यक्ष हुए शामिल दिये ज्ञापन

किसानों के हक और अधिकार के लिए मैं हमेशा किसान भाइयों के साथ हूं :अनुभा

लाकेश पंचेश्वर ।सिटी चीफ बालाघाट । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जाम में विशाल किसान महासम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें किसानों ने अपनी जायज मांगों को लेकर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे व जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट अशोक सिंह सरस्वार को 8 अक्टूबर दिन मंगलवार को ज्ञापन पत्र सौंपा वहीं उक्त ज्ञापन तहसीलदार महोदय को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन पत्र सौंपा गया जिसमें 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने, बिजली कटौती को रोके जाने व किसानों को 3100 रुपए समर्थन मुल्य धान का मिलने को लेकर ज्ञापन दिया गया है। कार्यक्रम में पहुंची लालबर्रा बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने किसानों को संबोधित करते हुए कहीं कि मैं आपकी सोच को प्रणाम करती हूं आपने सरकार से 24 घंटे बिजली कि मांग को लेकर ये आंदोलन बालाघाट लालबर्रा विधानसभा कि इस पावन धरती से शुरू किया है यहां के सभी भाईयों को व बहनों को मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं कि आपने एक अच्छी सोच कि और आपने शुरुआत कि और आपने जो चिंगारी सिलगाई है वह शोला जरुर बनेगी निश्चित रूप से बनेगी जहां भी जरूरत होगी हम सब मिलकर चलेंगे सरकार तक अपनी बात लेकर चलेंगे और हमारे माननीय विधायकगणों महोदय के पास सभी बराबर जाये आपकी बात हमारी बात सरकार के विरोध में जायेंगे कहीं हमारी फैक्टरी में ताला ना लग जाए कहीं हमारे में कहीं कोई कार्यवाही ना हो जाए हां यह तो सकता है कि जनता कि लड़ाई लड़ते लड़ते जेल चले जाएं वह तो हो सकता है कभी भी हो सकता है आंदोलन करते करते कहीं सरकारी तंत्र कोई कार्यवाही कर लें यह हो सकता है लेकिन गलत काम हम व हमारे परिवार में कभी नहीं देखा मैंने आदरणीय पतिदेव को भी जनता के लिए लड़ते हुए देखा हमेशा आज भी उनके उपर दर्जनों 65-66 केश चल रहा है आज भी इस उम्र में भी इस आंदोलन को मजबूती प्रदान करना है यह मेरे लिए सौभाग्य कि बात है। सहित अन्य और भी बातें श्रीमती मुंजारे द्वारा अपने उद्बोधन दौरान कही गई है जिसका सभी उपस्थित लोगों ने समर्थन किया है। वहीं इस दौरान प्रमुख रूप से डुलेन्द्र ठाकरे सभापति जिला पंचायत,झामसिंह नागेश्वर सभापति जिला पंचायत, किशोर पालीवाल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, अनीश खान सरपंच व विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत बालाघाट, श्री आनंद बिसेन सरपंच, जाहिद खान जनपद पंचायत सदस्य, सुरेन्द्र बलोने सरपंच, ओमप्रकाश बिसेन सरपंच प्रतिनिधि,वैकंट रहांगडाले सरपंच बांदरी,भाउराम गाढेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,ठानेन्द्र ठाकरे पुर्व सरपंच,दीपक तोमर, बालकृष्ण बिसेन,सहित अन्य और भी सभी लोग उपस्थित रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं एसडीएम नारायणपुर वासू जैन पहुँचे घोर नक्सल प्रभावित गाँव होरादी

लिया जायज़ा और की ग्रामीणों से मेल मुलाक़ात

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छत्तीसगढ़) नारायणपुर, विगत दिवस पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं एसडीएम नारायणपुर वासू जैन ग्रामीणों से मुलाकात चर्चा के लिये जिले के अत्यंत नक्सली प्रभावित ग्राम होरादी पहुँचे । वहाँ उन्होंने लोगों से क्षेत्र में चल रहे कार्यों का जायज़ा लिया और लोगों की समस्याओं के विषय में विस्तार से जानकारी ली। लोगों की माँग के अनुसार वहाँ जल्दी ही आंगनबाड़ी, नल-जल का पानी टैंक तथा खेल मैदान निर्माण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रकोप से 30 साल से बंद पड़ी सडक का सुधार करवा कर ग्राम होरादी तक बस चलाई जाएगी, जिससे ज़िला मुख्यालय से दूर सड़क के अभाव में जंगलों में रह रहे लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। ग़ौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में नक्सली गतिविधियों के ख़ात्मे के लिये माड़ क्षेत्र में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है । इससे ग्रामीणों में उत्साह व्याप्त है एवं क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों में नक्सली भय से आजादी की आशा जाग रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नारायणपुर पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने हेतु क्षेत्र में लगातार सघन नक्सल विरोधी ''माड़ बचाव'' अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला नारायणपुर अन्तर्गत थाना सोनपुर के ग्राम होरादी क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियानों एवं क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों में सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मानसून के बाद नारायणपुर जिले एवं बस्तर का पहला ''जन सुविधा एवं सुरक्षा कैम्प'' ग्राम होरादी में स्थापित किया गया है। इसी संबंध पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार (भा.पु.से.) के साथ एसडीएम नारायणपुर वासू जैन (भा.प्र.से.) होरादी गांव के दौरे पर पहुंचकर गांव में जल्दी ही आंगनबाड़ी, नल-जल का पानी टैंक तथा खेल मैदान का निर्माण के लिये पहल की । कोण्डागांव-नारायणपुर को सोनपुर होते हुए सितरम तक जोड़ने वाली प्राचीन सड़क जो नक्सलवाद के प्रकोप से 30 साल मे बंद पड़ी थी उस सड़क पर पुन: नियमित रूप से बस सेवा प्रारंभ की जाएगी जिसकी क्रियान्वयन की तैयारियाँ पूरी होने की विश्वास दिलाया। पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम नारायणपुर द्वारा बताया गया कि ग्रामीणों के साथ मुलाकात कर ''नियाद नेल्लानार'' के अंतर्गत जल्द ही क्षेत्र में ''जन समस्या निवारण शिविर'' का आयोजन किया जायेगा जिसमें सभी विकास की योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन होने एवं जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र सहित सभी प्रकार के प्रमाण पत्र बनाये जाने के लिए भरोसा दिलाया तथा उपस्थित ग्रामीणों को बैठक लेकर शासन/प्रशासन के योजनाओं का क्षेत्र में वृहत रूप से विस्तार होने की बात कही गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि-ग्राम होरादी में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। होरादी में नवीन कैम्प स्थापित होने से आसपास के क्षेत्र में सड़क, पानी, पुल-पुलिया, शिक्षा, चिकित्सा, मोबाईल नेटवर्क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा एवं नक्सल उन्मूलन अभियान में तेजी आयेगी।

विवेक चौहान मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा लगाए गए 17 वें रक्तदान शिविर
88 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ नकुड । सहारनपुर, विवेक चौहान मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा लगाए गए 17 वें रक्तदान शिविर में 88 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। जैन धर्मशाला नकुड पर लगाए गए रक्तदान शिविर का शुभारंभ भारतीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संदीप सिंह राणा व पूर्व चैयरमैन खालिद खान ने फीता काटकर किया। ठाकुर पूरन सिंह ने रक्तदान को महादान बताया और सभी से अपील की कि हर तीसरे महीने रक्तदान करें। संदीप सिंह राणा ने कहा कि रक्तदान मानव कल्याण के लिए किया जाता है इसलिए हर किसी को रक्तदान करना चाहिए। नगर के पूर्व चैयरमैन खालिद खान ने कहा कि रक्तदान मानव जीवन बचाता है, इसलिए हम सभी को रक्तदान करके मानव जीवन बचाने में अपना सहयोग देना चाहिए। रक्तदान शिविर में वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी देवेंद्र चौहान, संतोष शर्मा, डा. अमित चौहान, चन्द्रशेखर मित्तल, शमशाद खान, राशिद खान, नौशाद अब्बासी, ठा. नैनपाल सिंह, हसीब खान, शमीम अली, नौमान खान आदि का योगदान रहा। शिविर में रक्त संचय के लिए जिला अस्पताल की टीम आई हुई थी।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक
प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही है लगातार वृद्धि

राजीव खरे । सिटी चीफ (छत्तीसगढ़) रायपुर, छत्तीसगढ़ के नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के सामान्य प्रसव की सुविधाएं उपलब्ध थी, किंतु उच्च जोखिमवाली गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन हेतु अक्सर दूसरे अस्पतालों का रूख करना पड़ता था। वर्तमान में स्थानीय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से अब जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन की सुविधा भी मिल रही है। सीजेरियन की सुविधा उपलब्ध होने से अब गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में सिजेरियन सेक्शन का लाभ

मिलने कारण जिले के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों जैसे भरतपुर की गर्भवती महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का प्रयास है कि जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। स्वास्थ्य मंत्री के लगातार प्रयास से ही किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को अब डायलिसिस के लिए भटकना नहीं पड़ता है। मरीजों की इस कठिनाइ को देखते हुए नवीन जिला एम.सी.बी के अंतर्गत हाल ही में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - मनेन्द्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना की गई है। इस सेंटर की स्थापना से स्थानीय क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिली है। मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी दोनों बीमारी से ग्रसित किडनी मरीजों का डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए क्षेत्र के लोगों ने श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट किया है। श्याम बिहारी जायसवाल एमसीबी जिले के साथ ही पूरे प्रदेश मे स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि भी हो रही है, जिसका सीधा लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के विकास और औद्योगिक नीतियों पर सीएम
साय की केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से महत्वपूर्ण बैठक

राजीव खरे । सिटी चीफ (छत्तीसगढ़) रायपुर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से वाणिज्य भवन, दिल्ली में मुलाकात करेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़ की विकास योजनाओं, नई औद्योगिक नीति और राज्य में व्यापार एवं निवेश के अवसरों पर गहन चर्चा की संभावना है। मुख्यमंत्री साय, राज्य की नयी इंडस्ट्रियल पॉलिसी पर केंद्रीय मंत्री से सुझाव लेंगे और औद्योगिक कॉरिडोर की संभावनाओं पर भी विस्तार से बातचीत करेंगे। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में औद्योगिक ढांचे को मजबूती देने के लिए निवेश की संभावनाओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री साय,

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को रायपुर आने का आमंत्रण भी दे सकते हैं, जिससे वे राज्य की औद्योगिक परियोजनाओं का निरीक्षण कर सकें और स्थानीय उद्योगों के साथ संवाद कर सकें। इसके अलावा, राज्य में नई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निर्माण और उससे संबंधित परियोजनाओं को गति देने पर भी विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह दिल्ली दौरा काफी महत्वपूर्ण है। कल उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, जिसमें राज्य की विकास योजनाओं और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रही शांति एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई थी। इस मुलाकात के बाद यह बैठक में भी राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, औद्योगिक नीतियों में सुधार लाना और केंद्र सरकार के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ को निवेश का आदर्श गंतव्य बनाना है। इस दिशा में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से यह बैठक, राज्य के औद्योगिक और व्यापारिक भविष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

जिलाधिकारी ने की फसल अवशेष प्रबन्धन की समीक्षा

जनपद में न हो फसल अवशेष जलाने की एक भी घटना :- डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में फसल अवशेष प्रबंधन के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने फसल अवशेष प्रबन्धन योजना के अन्तर्गत समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सुनिश्चित किया जाए की जनपद में कहीं भी फसल अवशेष जलाने की एक भी घटना न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि अगर किसी स्थान पर फसल अवशेष जलाने की सूचना मिलती है तो संबंधित अधिकारी तत्काल उस स्थान पर पहुंचकर घटना की पुष्टि करके जुर्माना लगाते हुए वसूली भी करें। घटना की पुनरावृत्ति करने पर संबंधित के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएं। उन्होंने यह निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी सुनिश्चित कराएं कि फसल कटाई के दौरान की जाने वाली कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपरस्टार मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किया जाए। यदि कोई कंबाइन हार्वेस्टर बिना सुपरस्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के बिना चलती हुई पाई जाए तो उसको संबंधित सीओ के माध्यम से जब्तीकरण की कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीमावर्ती क्षेत्र पर भी ध्यान दिया जाए कि बाहर से कोई ऐसा वाहन जनपद में न आए। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर ले। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि इसकी रोकथाम के लिए निरंतर निगरानी करते रहें। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम प्रधान, लेखपाल, ग्राम सचिव अपने-अपने क्षेत्र में सचेत रहते हुए किसानों को फसल अवशेष प्रबन्धन की जानकारी दें। सभी खण्ड विकास अधिकारी ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर जागरूक करते हुए आमजन को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित करें। जिस भी गांव में फसल अवशेष जलाने की घटना होगी उस ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी तय की जाएगी बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, उपजिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार एवं अंकुर वर्मा, उप कृषि निदेशक डॉ0 राकेश कुमार सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भगत सिंह वर्मा ने रुड़की रोड पर हुई बैठक को किया संबोधित

उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माणः भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर (छुटमलपुर), रुड़की रोड पर एक बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा व भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां समस्याओं का अंबार है। उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यह राज्य समस्याओं से रहित देश और दुनिया का सबसे उन्नतशील और विकासशील राज्य होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है।

देश के छोटे राज्य हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना इसके उदाहरण है। छोटा राज्य बनने पर कानून व्यवस्था बेहतर होगी और यहां शिक्षा और चिकित्सा बेहतर होगी। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक राज्य बनने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़े-बड़े उद्योग लगेंगे और यहां के शिक्षित युवाओं को शत-प्रतिशत रोजगार होगा। पृथक राज्य के आंदोलन को तेज करने के लिए गांव- गांव नगर नगर बैठक पंचायत करके जन आंदोलन बनाया जा रहा है अब यहां की जनता के लिए पृथक राज्य जीवन मरण का प्रश्न है। जिसके लिए युवा शक्ति और छात्रों के आगे आना होगा। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक, प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के 26 जिले सरकार को 80त्न राजस्व देते हैं इसके बावजूद भी आज शिक्षा, चिकित्सा नाम मात्र को है और प्रति व्यक्ति वार्षिक आय मात्र 90 हजार रुपए है जबकि छोटे राज्य हरियाणा में 3-25 लाख रुपए और तेलंगाना राज्य में 3- 50 लाख रुपए प्रति व्यक्ति वर्षिक आय हैं। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय देश में ही नहीं दुनिया में सबसे अधिक होगी। पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में बड़े आंदोलन का आगाज हो चुका है। अब पश्चिम प्रदेश निर्माण होने तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य रजत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष राव शाहिद, प्रदेश सचिव मुनेशपाल बुद्धू, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष योगेश कुमार, जिला मंत्री प्रवीण कुमार, सुमित कुमार, बिट्टू सिंह, अंकित वर्मा, मोहम्मद जुनेद राव, तनवीर राव, साजिद राव, जाहिद, मोहम्मद अकमल गौड़, वलीउल्लाह, सोनू सैनी, प्रधान राजपाल सिंह आदि ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से माला पहनाकर योगेश कुमार को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने दशहरा पर्व के दृष्टिगत तैयारियों तथा शांति एवं कानून व्यवस्था के संबंध में की बैठक

सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के दिए निर्देश : मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में दशहरा पर्व पर तैयारियों तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में बैठक आहूत की गई। बैठक में मनीष बंसल ने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है एवं गड्ढे बने हुए है उनको तत्काल भरवाकर समतल कराने का कार्य पूर्ण कराया जाए तथा राजकीय मैदान में मंच के पीछे बनी दीवार को तत्काल तोडकर समतल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित स्थलों पर उचित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराए। संबंधित अधिकारी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि कही पर भी विद्युत तार ढीले एवं अनावश्यक रूप से लटके हुए न मिलें। बेहट अड्डा, गांधी पार्क, जुबली पार्क, जीआईसी मैदान, नेहरू मार्किट, रेलवे क्लब, माल गोदाम, शुगर मिल, सर्किट हाउस आदि स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कराई जाएं।

जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि दशहरे पर्व हेतु नामित सभी मजिस्ट्रेट शोभायात्रा के आगे व पीछे एवं थाना क्षेत्रवार समस्त मजिस्ट्रेट शोभायात्राओं एवं जुलूसों में उपस्थित रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। शांति एवं कानून व्यवस्था से संबंधित कोई प्रकरण प्रकाश में आता है तो तत्काल उससे उच्चाधिकारियों को अवगत कराएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि दशहरे से पूर्व अपने-अपने क्षेत्र में रावण दहन के स्थान को चिन्हित कर लें तथा यह सुनिश्चित कर लें कि रावण दहन बहुत खुले स्थान पर हो तथा वहां अनुमानित एकत्रित होने वाले व्यक्तियों के बैठने अथवा खडा होने का खुला स्थान हो। मनीष बंसल ने नगर मजिस्ट्रेट को रावण दहन स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि रावण दहन के समय निर्धारित स्थल पर नियमानुसार आतिशबाजी हो एवं अग्निशमन की पूर्ण व्यवस्था पूर्व से की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, डिप्टी कलेक्टर दीपक कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती श्वेता पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर डॉ0 पूर्वा, अपर नगर आयुक्त राजेश यादव, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केंद्रीय जल आयोग ने कहा- 55 जलाशयों में कुल क्षमता का 88 फीसदी पानी भरा

भारतीय जलाशयों का जलस्तर पिछले साल की तुलना में बेहतर, 14 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। भारत के जलाशयों का जलस्तर पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा है। हालांकि, उत्तरी क्षेत्र में इसके स्तर में गिरावट आई है। कुल 155 जलाशयों में कुल क्षमता का 88 फीसदी पानी भरा हुआ है, जो कि सामान्य जल संग्रहण स्तर से 14 फीसदी अधिक है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के भंडारण स्तर 134.056 बीसीएम और सामान्य 10 साल के औसत भंडारण 139.114 बीसीएम की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बुलेटिन में कहा गया है कि देशभर में 86 जलाशय ऐसे हैं, जिनकी पिछले वर्ष की तुलना में जल संग्रहण क्षमता का स्तर बढ़ा है और 123 जलाशय अपनी सामान्य क्षमता से अधिक जल संग्रहण कर रहे हैं। 2024 के आंकड़े पिछले वर्ष के स्तर की तुलना में 18 फीसदी अधिक हैं। यह सामान्य जल संग्रहण से 14 फीसदी वृद्धि दर्शाते हैं।

मध्यप्रदेश में जल संग्रहण क्षमता घटी

देशभर में जल संग्रहण स्तर अधिक होने के बाजवूद क्षेत्रीय भिन्नताएं हैं। पश्चिमी क्षेत्र ने सबसे मजबूत जल संग्रहण के आंकड़े दर्ज किए हैं। यहां कुल जल संग्रहण क्षमता का 97 फीसदी पहले ही भर चुका है। यह पिछले वर्ष के 89 फीसदी से काफी अधिक है। इस क्षेत्र में गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा शामिल हैं। केंद्र क्षेत्र जिसमें उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ शामिल हैं, यहां जलाशयों में जल संग्रहण क्षमता का स्तर घटा है। पूर्वी क्षेत्र जिसमें असम, ओडिशा और बिहार जैसे

राज्य शामिल हैं। यहां जल संग्रहण क्षमता का स्तर 86 फीसदी दर्ज किया गया है, जो कि पिछले वर्ष के 77 फीसदी से अधिक है।

2023 में भारत सहित दुनियाभर की प्रमुख नदियों का जलस्तर 33 वर्ष बाद सबसे कम रहा। इसकी वजह से टकराव की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जो चिंताजनक है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की स्टेट ऑफ ग्लोबल वॉटर रिसोर्सेज नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में अधिकतर नदियों का जल स्तर सामान्य से कहीं बहुत अधिक कम रहा। 2021 और 2022 की तरह ही पिछले साल दुनिया की 50 फीसदी से अधिक नदी क्षेत्रों में स्थिति असामान्य रही। एशिया और ओशिनिया में भी गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग नदी के अधिकतर क्षेत्रों में सामान्य से कम पानी देखा गया।

बर्फ पिघलने से बढ़ेंगी मुश्किलें

जैसे-जैसे आने वाले दशकों में ग्लेशियर और बर्फ की चादरें घटती जाएंगी सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों पर इसका सीधा विपरीत प्रभाव दिखाई देगा। उनका प्रवाह कम हो जाएगा। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु सहित दस प्रमुख नदियां हिमालयीन क्षेत्र से निकलती हैं और इसके जलक्षेत्र में लगभग एक अरब 30 करोड़ लोगों की जरूरतें पूरी होती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी डेल्टा लगातार एशिया का सबसे असुरक्षित डेल्टा बना हुआ है। समुद्र के बढ़ते स्तर और समुद्री जल की घुसपैठ नदी डेल्टा के बड़े हिस्से को नष्ट कर रही है। बढ़ते तापमान के कारण दुनिया का जलचक्र का संतुलन बिगड़ रहा है। दुनियाभर में लोग बहुत ज्यादा पानी या बहुत कमी जैसी स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इनमें अप्रत्याशित बारिश, बाढ़ और सूखा जैसी घटनाएं शामिल हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश निरस्त

हाईकोर्ट की ओर से दी गई मौत की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के अहमदनगर में डकैती और दंपति की हत्या मामले में दोषी को उच्च न्यायालय की ओर से दी गई मौत की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अहमदनगर ट्रायल कोर्ट के 21 अक्टूबर 2013 के आदेश को बहाल किया। हालांकि कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के दोषसिद्धि आदेश और बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के 8 अप्रैल 2022 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि हमने पाया कि ट्रायल जज के साथ-साथ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री की सही ढंग से जांच की। इसके बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अपीलकर्ता अपराध करने के दोषी हैं। मगर शीर्ष अदालत को दोषसिद्धि के पहलू पर ट्रायल जज के साथ-साथ उच्च न्यायालय के फैसले और आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला।

मामला दुर्लभतम नहीं

शीर्ष अदालत ने कहा कि जहां तक मौत की सजा का सवाल है, उच्च न्यायालय द्वारा इसे लागू करना उचित नहीं है। ट्रायल जज सभी सुनवाई के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि मामला दुर्लभतम नहीं है। इसलिए जब तक कि ट्रायल जज के निष्कर्ष को गलत नहीं पाया जाता, तब तक उच्च न्यायालय को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। पीठ ने कहा कि दोषी साकेत की भूमिका अन्य सभी आरोपियों के समान थी। मौत की सजा देने के लिए उसके मामले को अलग नहीं किया जा सकता था। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता शिव कुमार रामसुंदर साकेत की सजा को बरकरार रखते हुए हम आंशिक रूप से

अपील की अनुमति देने के इच्छुक हैं।

दंपति के शव घर के लिविंग रूम में पाए गए थे

सभी आरोपियों को दो दिसंबर 2007 को अहमदनगर के मानिक नगर में रमेश मुनोत और चित्रा मुनोत के आवास पर डकैती और हत्या करने का दोषी पाया गया था। अगली सुबह दंपति के शव घर के लिविंग रूम में पाए गए। आरोपियों में से चार व्यक्ति पहले दंपति के आवास पर चौकीदार के रूप में कार्यरत थे और शेष दो उनके सहयोगी थे। एक आरोपी राजेश सिंह हरिहरसिंह ठाकुर की कार्यवाही लंबित रहने के दौरान मौत हो गई थी।

वकीलों के खिलाफ जज की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट असहमत

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के जज की वकीलों के लिए अनुचित और अवैध टिप्पणी करने की प्रवृत्ति पर असहमति जताई। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जज ने पहले भी 2021 में एक वकील के खिलाफ कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं, जिसे शीर्ष अदालत ने हटाया था। पीठ ने कहा कि वकीलों की ओर से कोई बहुत गंभीर गलती नहीं करने के बावजूद जज की अनुचित टिप्पणियों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जज की धारणा से यह अदालत पहले से ही परिचित है। नीरज गर्ग (2021) के फैसले में हम ऐसा देख चुके हैं और मौजूदा मामले में जज के दृष्टिकोण की फिर से जांच करने की कोई जरूरत नहीं है। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के एक दिसंबर 2020 और सात दिसंबर 2021 के दो आदेशों को रद्द किया था और वकीलों के खिलाफ जज की टिप्पणियों को हटाया था।

जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता

आरजी कर अस्पताल के 50 सीनियर डॉक्टर्स ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के करीब पचास वरिष्ठ डॉक्टरों ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इन डॉक्टरों ने यह कदम जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता जताने के लिए उठाया है। जूनियर डॉक्टर एक महिला डॉक्टर की हत्या और दुष्कर्म के मामले में न्याय की मांग करते हुए अनशन पर हैं। स्वास्थ्य संकाय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इन वरिष्ठ डॉक्टरो ने यह फैसला अस्पताल के विभिन्न विभागों के प्रमुखों की एक बैठक में लिया। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया, हमारे अस्पताल के सभी 50 वरिष्ठ डॉक्टरों ने मंगलवार की बैठक में सामूहिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया। यह कदम उन युवा डॉक्टरों के प्रति हमारी एकजुटता का प्रतीक है, जो एक जरूरी मुद्दे के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एनआरएस

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर भी आरजी कर अस्पताल के अपने सहयोगियों के नक्शेकदम पर चलने पर विचार कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों ने महिला डॉक्टर के मामले में न्याय की मांग के साथ-साथ स्वास्थ्य प्रणाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज उठाई है। इन वरिष्ठ डॉक्टरों की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि जूनियर डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से आमरण अनशन पर हैं, लेकिन मुद्दे को हल रने के लिए किसी उपयुक्त प्राधिकारी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इन डॉक्टरों ने आमरण अनशन पर बैठे लोगों की स्वास्थ्य स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि वे परिसर में लोकतंत्र और मरीजों के अनुकूल प्रणाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान में कहा गया, इस स्थिति में हम एकजुट होकर उनके साथ खड़े रहेंगे।

हमसफर नीति की शुरुआत

हाईवे पर मिलेगी घर जैसी सुविधा! सरकार बनेगी 'हमसफर'

नई दिल्ली। हाईवे और एक्सप्रेसवे पर सफर तो आप भी करते होंगे। लंबी सड़क यात्रा के दौरान कई बार आपको परेशानियों का सामना भी करना पड़ा होगा। खासकर जब आप परिवार के साथ सफर करते हैं और आपके साथ छोटा बच्चा, कोई बीमार या दिव्यांग सदस्य होते हैं। यात्रियों की इन्हीं परेशानियों को हल करने के लिए केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यात्री सुविधाओं पर जोर देते हुए 'हमसफर नीति' शुरू की है। इसका मकसद यात्रियों को बेहतर सुविधा के साथ उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को हमसफर नीति की शुरुआत करते हुए कहा कि इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्वच्छ शौचालय और शिशु

देखभाल कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, हमसफर नीति में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित पेट्रोल पंप स्टेशनों पर स्वच्छ शौचालय, शिशु देखभाल कक्ष, व्हीलचेयर के लिए प्रावधान, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पार्किंग स्थल और ठहरने की सुविधाएं शुरू की जाएंगी। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने कहा कि यह नीति राजमार्ग का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और आनंददायक अनुभव प्रदान करेगी। इसके अलावा यह नीति उद्यमियों को सशक्त बनाएगी, रोजगार पैदा करेगी और सेवा प्रदाताओं के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाएगी। गडकरी ने इस मौके पर कहा कि हमसफर ब्रांड देश के विश्वस्तरीय राजमार्ग नेटवर्क पर यात्रियों और चालकों के लिए अत्यधिक सुरक्षा और आराम का पर्याय बन जाएगा।

स्पीड एवं ब्रेकिंग डिस्टेंस ट्रायल

145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर दौड़ी वंदे मेट्रो

कपूरथला। पंजाब के कपूरथला स्थित रेल डिब्बा कारखाना (आरसीएफ) ने आठ महीने की छोटी सी अवधि में उन्नत तकनीक वाली वंदे मेट्रो ट्रेन सेट का निर्माण करके एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। आरसीएफ द्वारा मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि भारतीय रेलवे के अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) टीम द्वारा विभिन्न परीक्षण किए जाने के लिए इस ट्रेन सेट को रेडिका कपूरथला से 30 सितंबर को रवाना किया गया था। यह ट्रेन कई तरह की सुविधाओं से लैस है। पश्चिमी मध्य रेलवे के कोटा मंडल में शनिवार को किए गए स्पीड एवं ब्रेकिंग डिस्टेंस ट्रायल के दौरान इस ट्रेन ने 145 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की। आरसीएफ द्वारा निर्मित वंदे मेट्रो ट्रेन सेट के डिब्बों में 100 व्यक्तियों के बैठने की और 180 व्यक्तियों के खड़े होने की क्षमता है। यह ट्रेन सेट अत्याधुनिक संरक्षा उपकरणों और कई नई यात्री सुविधाओं जैसे आपात स्थिति में यात्री-चालक टॉकबैक सिस्टम, आग और धुआं पहचान प्रणाली, टकराव से बचाव के लिए कवच सिस्टम और दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय से लैस है।भुज-अहमदाबाद के बीच वर्तमान में चल रही वंदे मेट्रो ट्रेन में 12 कोच हैं और इसकी गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे है। इसकी यात्री क्षमता 3602 है। इसके विपरीत, आरसीएफ द्वारा निर्मित नई वंदे मेट्रो में कोचों की संख्या (16) और 4364 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता होगी तथा इसकी गति 130 किमी प्रति घंटा होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी...केस पेंडिंग है, जमानत से इनकार का यह आधार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर आरोपी के खिलाफ कोई और केस पेंडिंग है तो जमानत से इनकार करने का यह आधार नहीं हो सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि आरोपी तब तक निर्देष माना जाता है जब तक कि वह दोषी करार नहीं दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने आरोपी को राहत प्रदान की है। आरोपी को मर्डर केस में दोषी करार दिया जा चुका है, लेकिन हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड करने से मना कर दिया था। आरोपी ने दोषी करार दिए जाने के बाद सजा सस्पेंड करने की गुहार लगाते हुए कहा था कि अन्य दोषियों को राहत मिल चुकी है और आधार पर उसे

भी राहत दी जानी चाहिए। इस दौरान आरोपी की सजा सस्पेंड करने की गुहार का यूपी सरकार की ओर से पेश वकील ने विरोध किया था और कहा था कि आरोपी के खिलाफ एक अन्य क्रिमिनल केस भी पेंडिंग है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से आरोपी को राहत नहीं मिली तब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोषी के खिलाफ कोई अन्य क्रिमिनल केस के पेंडिंग होने से उसकी सजा सस्पेंड (जमानत) करने की अर्जी को नकारा नहीं जा सकता है और दोषी करार दिए जा चुके नरेंद्र सिंह की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने सस्पेंड कर दिया दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया और दोषी की सजा सस्पेंड करने की अर्जी को स्वीकार कर लिया।

दोषी करार नहीं दिया जाता तब तक आरोपी निर्दोष

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा है कि आरोपी नरेंद्र सिंह के खिलाफ एक अन्य केस में ट्रायल पेंडिंग है और आरोपी उस मामले में जमानत पर है। उसके सजा सस्पेंड करने की अर्जी को इस आधार पर अस्वीकार नहीं किया जा सकता है कि उसके खिलाफ एक अन्य केस का ट्रायल पेंडिंग है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपी तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि वह दोषी करार नहीं दिया जाता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए हमारा मत है कि दोषी की सजा सस्पेंड की जाए। शीर्ष अदालत ने दोषी की सजा सस्पेंड करते हुए उसे जमानत पर रिहा करने को कहा है।

सजा सस्पेंशन के लिए अर्जी दाखिल करने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट यह व्यवस्था दे चुकी है कि जमानत अर्जी अथवा सजा सस्पेंड करने की अर्जी दाखिल करना अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद-19 (अभिव्यक्ति के अधिकार) और अनुच्छेद-21 (जीवन और लिबर्टी के अधिकार) के तहत लोगों का व्यक्तिगत अधिकार है। जमानत व सजा सस्पेंड करने की अर्जी दाखिल करने का अधिकार संविधान के तहत व्यक्तिगत अधिकार हैं। साथ ही आरोपी को सीआरपीसी की धारा-438, 439 के तहत भी यह अधिकार मिला हुआ। अब सुप्रीम कोर्ट ने फिर दोहराया है कि हर आरोपी तब तक निर्दोष है जब तक कि उसे दोषी करार नहीं दिया जाता है। ऐसे में आरोपी या दोषी के इस अधिकार को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569